राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष: 11 अंक: 189 पृष्ठ : 08, नई दिल्ली, गुरूवार, 20 जनवरी 2022 मूल्य: 1.50/-

संक्षिप्त समाचार

मंडी के सलापड़ में जहरीली शराब पीने से 5 लोगों की मौत, 2 गंभीर

मंडी (एजेंसी)। मंडी जिले के सुंदरनगर उपमंडल के बिलासपुर-मंडी सीमा पर सलापड़ में चंडीगढ़ ब्रांड की जहरीली शराब पीने से 5 लोगों की मौत हो गई जबकि 2 अन्य सुंदरनगर अस्पताल में उपचाराधीन हैं। मिली जानकारी के अनुसार अवैध रूप से लायी गयी शराब को 7 लोगों ने पीया। पीने के बाद उनकी हालत खराब होने लगी। जानकारी के अनुसार 3 लोगों की पहले ही मौत हो गई जबकि 2 की बाद में इलाज के दौरान मौत हुई। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। एएपी मंडी शालिनी अग्निहोत्री ने इस घटना कि पुष्टि की है। पता चला है कि सलापड़ में काफी लम्बे समय से अवैध शराब का कारोबार चल रहा था जिसमें चंडीगढ़ से शराब लाकर सस्ते दामों पर बेची जाती रही है।

प्रकाश सिंह बादल का कोविड टेस्ट पॉजिटिव, लुधियाना के अस्पताल में भर्ती

मुक्तसर/लुधियाना (एजेंसी)। 94 वर्षीय शिअद संरक्षक एवं पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल कोविड-19 टेस्ट में पाजिटिव पवये गये हैं। बादल को लुधियाना के दयानंद मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हीरो डीएमसी हार्ट इंस्टीट्यूट के वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. बिशव मोहन ने कहा कि वह कोविड पाजिटिव हैं। उन्होंने बताया कि हम सामान्य परीक्षण कर रहे हैं और इन परीक्षणों की रिपोर्ट आने के बाद ही उनकी सही स्थिति का पता चलेगा। उन्होंने हाल के दिनों में कई पार्टी नेताओं, आम लोगों, मीडियाकर्मियों से मुलाकात की थी।

दिल्ली में कोविड संक्रमण दर अभी इतनी कम नहीं हुई कि पाबंदियां हटाई जाएं: स्वास्थ्य मंत्री

(एजेंसी) नयी दिल्ली। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने बुधवार को कहा कि शहर में कोविड संक्रमण दर अभी इतनी कम नहीं हुई है कि पाबंदियां हटाई जा सकें। मंत्री ने कहा कि सरकार अभी तीन-चार दिन तक हालात पर नजर रखेगी। दिल्ली में कोरोना वायरस संक्रमण पर रोक लगाने के लिए पाबंदियां लगाई हैं। मंत्री ने यह भी कहा कि शहर में बुधवार को कोरोना संक्रमण के करीब 13,000 नए संक्रमित मिले और कोरोना वायरस संक्रमण की दर (पॉजिटिविटी रेट) अभी 22.5 प्रतिशत है।दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) की ओर से दुकान खोलने की सम-विषम व्यवस्था को लेकर व्यापारियों के विरोध के बारे में पूछने पर जैन ने कहा, ''दिल्ली में कोविड संक्रमण दर 30 प्रतिशत से कम होकर 22.5 प्रतिशत रह गई है।

भाजपा में शामिल हुईं मुलायम की पुत्रवधु अपर्णा यादव

(संवाददाता)

नयी दिल्ली। समाजवादी पार्टी (सपा) के संरक्षक और वरिष्ठ नेता मुलायम सिंह यादव की छोटी बहू अपर्णा यादव बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गईं। भाजपा की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और पार्टी के मीडिया विभाग के प्रभारी अनिल बलूनी की मौजूदगी में अपर्णा यादव ने भगवा दल का दामन थामा। यादव ने इस अवसर पर कहा कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी नीतियों से हमेशा से प्रभावित रही हैं और अब वह भाजपा की सदस्यता लेकर राष्ट्र की आराधना करने निकल पड़ी हैं।

उन्होंने कहा, 'मैं हमेशा से प्रधानमंत्री जी से प्रभावित रही हूं। मेरे चिंतन में हमेशा राष्ट्र सबसे पहले है। राष्ट्र धर्म मेरे लिए सबसे ज्यादा जरूरी है। मैं बस, यही बोलना चाहती हूं कि अब मैं राष्ट्र की आराधना करने निकली हूं।श् उन्होंने कहा कि वह अपनी क्षमता के अनुरूप जो भी कर सकती हैं, भाजपा के लिए करेंगी। मौर्य ने अपर्णा यादव का भाजपा में स्वागत करते हुए कहा कि उनके विचार सदैव से ही भाजपाई रहे हैं और समय-समय पर विभिन्न माध्यमों से उन्होंने यह जाहिर भी किय। उपमुख्यमंत्री ने इस अवसर पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर जमकर निशाना साधा और आरोप लगाया कि वह अपने परिवार में ही असफल रहे हैं। उन्होंने कहा, 'अखिलेश यादव अपने परिवार में ही सफल नहीं हैं। प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में भी असफल रहे हैं।

सांसद के रूप में भी असफल हैं। अखिलेश यादव के विधानसभा चुनाव लड़ने की अटकलों के मद्देनजर मौर्य ने उनपर चुटकी लेते कहा कि वह सुरक्षित ठिकाना तलाश रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा ने अपनी पहली सूची जारी कर दी है और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के गोरखपुर से तथा उनके सिराथू से लड़ने की भी घोषणा की जा चुकी है लेकिन अभी तक अखिलेश अपनी सीट का फैसला नहीं कर सके हैं। मौर्य ने कहा 'अखिलेश यादव अक्सर दावा करते रहते हैं कि मुख्यमंत्री रहते हुए उन्होंने बहुत विकास कार्य किए हैं लेकिन आश्चर्य यह हो रहा है कि वह अपने लिए एक सुरक्षित ठिकाना तलाश रहे हैं। ऐसी चर्चा है कि अखिलेश आजमगढ़ से चुनाव लड़ सकते हैं। उल्लेखनीय है कि अपर्णा यादव 2017 के विधानसभा चुनाव में लखनऊ कैंट से सपा के टिकट पर चुनाव लड़ चुकी हैं। हालांकि उन्हें भाजपा नेता रीता बहुगुणा जोशी के हाथों पराजय का सामना करना पड़ा था। अपर्णा यादव मुलायम सिंह यादव के छोटे बेटे प्रतीक यादव की पत्नी हैं।

सोनिया, राहुल, प्रियंका से मिले बघेल, उप्र चुनाव और छत्तीसगढ़ सरकार की योजनाओं पर चर्चा की

नयी दिल्ली (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बुधवार को कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा से मुलाकात कर उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार अभियान और छत्तीसगढ़ सरकार की विभिन्न योजनाओं के बारे में चर्चा की। सूत्रों के मुताबिक, बघेल ने कांग्रेस के शीर्ष नेताओं को अपने पुत्र के विवाह का निमंत्रण भी दिया। सूत्रों ने बताया कि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के साथ बघेल की मुलाकात के दौरान उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में पार्टी के प्रचार अभियान और खासतौर पर डिजिटल प्रचार के तौर-तरीकों को लेकर चर्चा की गई। सूत्रों ने यह भी बताया कि बघेल ने उत्तर प्रदेश में अपने चुनावी दौरे के आधार पर कांग्रेस नेतृत्व को अपना फीडबैक भी दिया। बघेल उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए वरिष्ठ पर्यवेक्षक हैं। मुख्यमंत्री के करीबी सूत्रों का कहना है कि छत्तीसगढ़ में लागू कई जनहितैषी योजनाओं को पार्टी द्वारा चुनावी राज्यों के घोषणा पत्र में शामिल करने की संभावना है। उन्होंने कहा, ''छत्तीसगढ़ सरकार ने सस्ती दवा, गोधन न्याय योजना, किसानों को राहत देने संबंधी कई योजनाएं शुरू की हैं, जिनके बारे में कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व के साथ चर्चा की गई।'

आचार संहिता, कोविड नियमों के उल्लंघन को लेकर सपा-रालोद उम्मीदवार समेत 60 लोगों पर मामला दर्ज

(संवाददाता)

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में सपा-रालोद के एक प्रत्याशी और 59 अन्य लोगों पर निर्वाचन आयोग की आदर्श आचार संहिता समेत कोविड नियमों के उल्लंघन के आरोप में बुधवार को मामला दर्ज किया गया।

पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने कहा कि समाजवादी पार्टी (सपा) और राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) गठबंधन की ओर से विधानसभा प्रत्याशी प्रसन्न चौधरी ने मुजफ्फरनगर जिले के कुवाना गांव में बिना अनुमति के एक सार्वजनिक सभा का आयोजन किया। पुलिस ने कहा कि कांधला थाने में चौधरी समेत 60 लोगों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 188 (सरकारी अधिकारी की ओर से जारी आदेश की अवहेलना), 269 और धारा 270 (किसी बीमारी का संक्रमण फैलाना) के अलावा महामारी रोग कानून-1897 के तहत मामला दर्ज किया गया है। गौरतलब है कि निर्वाचन आयोग ने उत्तर प्रदेश में 22 जनवरी तक वास्तविक रैलियों के आयोजन और जनसभा बुलाने पर रोक लगा दी है।

पूर्व सीडीएस दिवंगत जनरल रावत के भाई कर्नल विजय भाजपा में हुए शामिल

नयी दिल्ली (एजेंसी)। देश के पहले प्रमुख रक्षा अध्यक्ष दिवंगत जनरल विपिन रावत के भाई सेवानिवृत्त कर्नल (सेवानिवृत्त) विजय रावत उत्तराखंड विधानसभा चुनाव से पहले बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए। राजधानी स्थित भाजपा मुख्यालय में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मदन कौशिक और राज्यसभा सदस्य अनिल बलूनी की मौजूदगी में उन्होंने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। विजय रावत ने इस अवसर पर कहा कि भाजपा का काम करने का तरीका बहुत प्यारा है।

मोदी 27 जनवरी को पहली भारत-मध्य एशिया शिखर बैठक की करेंगे मेजबानी, कई देशों के नेता लेंगे भाग

(एजेंसी)

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 27 जनवरी को डिजिटली पहली भारत-मध्य एशिया शिखर बैठक की मेजबानी करेंगे। विदेश मंत्रालय ने बुधवार को इसकी घोषणा की। विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक, इस शिखर बैठक में कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति भाग लेंगे। बयान में कहा गया है कि भारत और मध्य एशियाई देशों के बीच शीर्ष नेताओं के स्तर पर इस तरह का यह पहला संवाद होगा। विदेश मंत्रालय ने कहा कि पहली भारत-मध्य एशिया शिखर बैठक मध्य एशियाई देशों के साथ भारत के बढ़ते संपर्क को प्रतिबिंबित करती है। इसके बाद द्विपक्षीय और बहुपक्षीय मंचों पर संवाद होता रहा है।

बयान के अनुसार, पिछले साल 18-21 दिसंबर को विदेश मंत्रियों के स्तर पर भारत-मध्य एशिया संवाद का आयोजन नयी दिल्ली में हुआ जिससे भारत और मध्य एशियाई देशों के बीच संबंधों को गति मिली। इससे पहले, 10 नवंबर, 2021 को नयी दिल्ली में अफगानिस्तान के संदर्भ में क्षेत्रीय सुरक्षा संवाद का आयोजन हुआ जिसमें मध्य एशियाई देशों की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषदों के सचिवों ने भाग लिया। विदेश मंत्रालय ने कहा कि पहली भारत-मध्य एशिया शिखर बैठक में भारत और मध्य एशियाई देशों के बीच रिश्तों को नई ऊंचाई पर ले जाने के लिए उठाए जाने वाले कदमों पर चर्चा हो सकती है।

चुनाव में ईवीएम के इस्तेमाल को चुनौती देने वाली जनहित याचिका पर सुनवाई करेगा सुप्रीमकोर्ट

कोविड-19 मृत्यु मामलों में मुआवजा न देने पर सुप्रीमकोर्ट नाराज

एजेंसी

नयी दिल्ली। सुप्रीमकोर्ट बुधवार को जन प्रतिनिधित्व कानून की धारा 61ए की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली जनहित सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने पर विचार करने को लेकर सहमत हो गया है। जन प्रतिनिधित्व कानून के इस प्रावधान के तहत ही देश में चुनाव में मतपत्र की बजाय इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) से मतदान की शुरुआत हुई। चीफ जस्टिस एनवी रमण की अध्यक्षता वाली पीठ ने अधिवक्ता एमएल शर्मा की दलीलें सुनीं और कहा कि वह उनके मामले को सूचीबद्ध करने पर विचार करेंगे। शर्मा ने ही यह याचिका व्यक्तिगत रूप से दायर की है। शर्मा ने कहा कि जनप्रतिनिधित्व कानून की धारा

61ए, जो ईवीएम के इस्तेमाल की अनुमति देती है, को संसद ने पारित नहीं किया था। इसलिए इस प्रावधान को लागू नहीं किया जा सकता है। सुप्रीमकोर्ट ने कोविड-19 से मृत्यु के मामलों में मृतकों के परिजनों को मुआवजा नहीं दिये जाने को लेकर राज्य सरकारों पर अप्रसन्नता जताई और आंध्र प्रदेश के मुख्य सचिव को कारण बताओ नोटिस जारी कर पूछा कि क्यों न उनके खिलाफअवमानना कार्यवाही शुरू की जाए।

शीर्ष अदालत ने आंध्र प्रदेश और बिहार सरकार के मुख्य सचिवों से अपराह्न दो बजे ऑनलाइन पेश होने और यह स्पष्टीकरण देने को कहा है कि कोविड-19 से मृत्यु के मामलों में परिजनों को 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि का वितरण उनके राज्यों में कम क्यों हुआ है। जस्टिस एमआर शाह और जस्टिस संजीव खन्ना की पीठ ने कहा कि वह अपराह्न 2 बजे आदेश सुनाएगी। उसने राज्य विधिक सेवा प्राधिकरणों से कोविड-19 से जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों से संपर्क करने तथा मुआवजा दावों का पंजीकरण और वितरण उसी तरह करने को कहा, जैसा 2001 में गुजरात में आए भूकंप के दौरान किया गया था। शीर्ष अदालत ने कहा कि वह कोविड-19 से मृत्यु के बिहार द्वारा दिये गये आंकड़ों को खारिज करती है और ये आंकड़े वास्तविक नहीं बल्कि सरकारी हैं।

पीठ ने बिहार सरकार की तरफ से पेश हुए वकील से कहा, ''हमें भरोसा नहीं हो रहा कि बिहार राज्य में कोविड के कारण केवल 12,000 लोगों की मृत्यु हुई।

जरूरतमंदों को 18 हजार सालाना पेंशन देंगे : अखिलेश

(संवाददाता)

लखनऊ। उत्तर प्रदेश चुनाव के बीच अखिलेश यादव ने बड़ा दांव खेला है। लखनऊ में प्रेस कॉफ्रेंस कर अखिलेश ने कहा कि सरकार बनने पर हम जरूरतमंद परिवारों को 18 हजार रुपए की सालाना पेंशन देंगे।

समाजवादी पेंशन स्कीम दोबारा शुरू करेंगे। भाजपा जॉइन करने पर छोटे भाई की पत्नी अपर्णा को बधाई देते हुए कहा कि समाजवादी विचारधारा का विस्तार हो रहा है। नेताजी ने उन्हें समझाने की बहुत कोशिश की। कहा- टिकट पूरे नहीं बंटे हैं। किसको मिलना है, किसे नहीं। ये क्षेत्र की जनता पर निर्भर करता है। हमारे सर्वे पर भी निर्भर करता है। लेकिन वो नहीं मानीं। अखिलेश ने कहा कि पहले समाजवादी पेंशन के तौर पर 6 हजार रुपए सालाना दिए जाते थे। लेकिन इस बार अगर हमारी सरकार आई तो हम इसे तीन गुना बढ़ाकर 18 हजार कर रहे हैं। चुनाव लड़ने के सवाल पर अखिलेश ने कहा कि

आजमगढ़ की जनता से अनुमति लेनी पड़ेगी। उन्होंने ये कहा कि यदि आजमगढ़ वाले कहेंगे तो वे चुनाव जरूर लड़ेंगे। अखिलेश ने कहा जिन लोगों को समाजवादी पार्टी ने जोड़ा उनका व्यापक जनाधार है।

प्रदेश की जनता बदलाव चाहती है। उन्होंने ये भी कहा कि गाय मां भूखी है। भाजपा को गाय मां का पाप पड़ेगा। एक दिन पहले अखिलेश ने 300 यूनिट मुफ्त बिजली देने की घोषणा की थी। ये भी कहा था इसके लिए वे घर-घर जाकर अभियान चलाएंगे। लोगों के नाम लिखेंगे।

अखिलेश ने कहा कि हमारा मेनिफेस्टो भाजपा के घोषणा पत्र के बाद आएगा। पहले भाजपा बताएगी कि उन्होंने कितनी स्मार्ट सिटी बनाई हैं। समाजवादी पार्टी उनसे बेहतर काम कराएगी। केंद्र से मदद लेकर हम उससे बेहतर काम करवाएंगे।

गणतंत्र दिवस के चलते सभी पुलिसकर्मियों की छुट्टियां अगले आदेश तक रद्द, जारी हुए आदेश

(एजेंसी)

नयी दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने गणतंत्र दिवस समारोह के मद्देनजर स्वास्थ्य अवकाश को छोड़कर अपने सभी कर्मियों की हर प्रकार की छुट्टियां रद्द कर दी हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। दिल्ली पुलिस ने सोमवार को एक आदेश जारी किया, जिसपर विशेष पुलिस आयुक्त (एचआर प्रभाग) सुंदरी नंदा के हस्ताक्षर हैं। आदेश के अनुसार, गणतंत्र दिवस परेड से संबंधित प्रबंधो के मद्देनजर अगले आदेश तक स्वास्थ्य अवकाश को छोड़कर सभी कर्मियों की हर प्रकार की छुट्टियों पर रोक लगा दी गई है। आदेश में कहा गया है कि सभी वरिष्ठ पुलिसकर्मियों को निर्देश दिया

जाता है कि वे सुनिश्चित करें कि अधिक से अधिक कर्मियों को गणतंत्र दिवस परेड से संबंधित ड्यूटी पर लगाया जाए। वहीं, दिल्ली पुलिस ने मंगलवार को कहा कि गणतंत्र दिवस समारोह के मद्देनजर 20 जनवरी से राष्ट्रीय राजधानी में यूएवी, पैरा-ग्लाइडर और गर्म हवा के गुब्बारों सहित अन्य उप पारंपरिक हवाई संचालन पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। यह आदेश 20 जनवरी से लागू होगा और 15 फरवरी तक प्रभावी रहेगा। कुछ आपराधिक या असामाजिक तत्वों, आतंकवादियों द्वारा आम जनता, गणमान्य व्यक्तियों और महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करने संबंधी खबरों के बीच दिल्ली पुलिस आयुक्त राकेश अस्थाना द्वारा यह आदेश जारी किया गया है। कोविड-19 महामारी के कारण इस साल गणतंत्र दिवस परेड में भाग लेने वालों की सामान्य संख्या में 70 से 80 फीसदी की कमी की जाएगी और केवल 5,000 से 8,000 लोगों को ही इसमें शामिल होने की अनुमति होगी। रक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पिछले साल गणतंत्र दिवस पर आयोजित परेड में करीब 25,000 लोगों को शामिल होने की अनुमति दी गई थी।

कांग्रेस ने गोवा के लिए पांच और उम्मीदवार घोषित किए

नयी दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने गोवा विधानसभा चुनाव के लिए बुधवार को पांच उम्मीदवारों की एक और सूची जारी की। पार्टी की ओर से जारी सूची में प्रमुख नाम पूर्व मंत्री माइकल लोबो की पत्नी डलैला लोबा है जिन्हें सियोलिम विधानसभा क्षेत्र टिकट दिया गया है। माइकल लोबो और डेलैला हाल में भाजपा छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए थे। माइकल लोबो को कालंग्यूट विधानसभा क्षेत्र से उम्मीदवार बनाया गया है। कांग्रेस की इस सूची के अनुसार, सलीगांव से केदार नाईक, अल्डोना से कार्लोस अल्वारेस फरेरा, प्रियोल से दिनेश जल्मी और कर्टोरिम से मोरेनो रिबेलो को उम्मीदवार बनाया गया है। गोवा में कांग्रेस अलग अलग सूचियों में अब तक 31 उम्मीदवार घोषित कर चुकी है।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में केबिनेट ने दी मंजूरी

मध्य प्रदेश में खुदरा शराब की दरें 20 प्रतिशत घटाने का फैसला

(एजेंसी)

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार ने वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए नई आबकारी नीति की घोषणा की है। राज्य मंत्री परिषद द्वारा मंगलवार को अनुमोदित आबकारी नीति 2022-23 में सरकार ने शराब की खुदरा कीमतों में 20 प्रतिशत की कमी करने का निर्णय किया है।

सरकार ने इस नयी नीति के तहत राज्य के सभी हवाई अड्डों और चार बड़े शहरों के चुनिंदा सुपर बाजारों में शराब की बिक्री की अनुमति देने और होम बार लाइसेंस जारी करने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में हुई मंत्री

परिषद की बैठक में मध्य प्रदेश विरासत (पारंपरिक) शराब नीति को भी मंजूरी दी गई। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि नई आबकारी नीति के तहत प्रदेश के सभी हवाई अड्डों पर शराब बेचने के काउंटर खोले जा सकते हैं।

वही इंदौर, भोपाल, जबलपुर और ग्वालियर के चुनिंदा सुपर बाजारों में तय शुल्क पर इस तरह के आउटलेट के लिए लाइसेंस जारी किए जा सकते हैं। बयान के अनुसार अब एक करोड़ रुपए या उससे अधिक वार्षिक व्यक्तिगत आय वाले लोगों को 50 हजार रुपए के वार्षिक शुल्क पर एक होम बार लाइसेंस जारी किया जाएगा। सरकार की नई नीति के तहत पर्यटन स्थलों पर ईको पर्यटन बोर्ड एवं पर्यटन विकास निगम द्वारा संचालित अस्थाई इकाइयों को रियायती दरों पर बार लाइसेंस जारी किया जाएगा। राज्य सरकार ने शराब की आयात प्रक्रिया को भी सरल बनाने का फैसला किया है। भोपाल और इंदौर में माइक्रोब्र्युरी (सीमित मात्रा में बीयर का उत्पादन) खोलने की अनुमति दी जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि अवैध शराब की बिक्री पर लगाम लगाने के लिए अब सभी शराब की दुकानें संमिश्रित आधार पर होंगी। इन दुकानों में अब भारत में निर्मित विदेशी शराब (आईएमएफएल), देशी शराब तथा बीयर एक साथ बेची जा सकती है।

इसके अलावा नई आबकारी नीति में जिला स्तरीय उच्चाधिकार के पास जरुरत पड़ने पर शराब की दुकानों का स्थान बदलने का अधिकार होगा। इस समिति में जिला अधिकारी और विधायक शामिल हैं। अधिकारियों के अनुसार नयी आबकारी नीति में मध्य प्रदेश में किसानों द्वारा अंगूर से तैयार शराब को शुल्क मुक्त किया जाएगा।

कोविड-19: जापान में तोक्यो सहित 13 स्थानों पर लागू होंगे नए प्रतिबंध

तोक्यो।

जापान की सरकार कोरोना वायरस के 'ओमीक्रोन' स्वरूप के कारण संक्रमण के बढ़ते मामलों के मद्देनजर तोक्यो सहित 10 से अधिक क्षेत्रों में शुक्रवार से कोविड-19 संबंधी नई पाबंदियां लागू करेंगी। इसके तहत स्थानीय नेता भोजनालयों के खुले रहने की अवधि कम कर सकते हैं।

अर्थव्यवस्था पुनरोद्धार मंत्री डेशिरो यामागीवा ने बताया कि सरकार द्वारा गठित विशेषज्ञों के पैनल ने बुधवार को 13 क्षेत्रों में तीन सप्ताह के लिए 13 फरवरी तक नए प्रतिबंधा लागू करने की योजना को मंजूरी दे दी।

यामागीवा वायरस से निपटने के लिए किए जाने वाले उपायों के

कार्य के प्रभारी हैं।

जापान के प्रधानमंत्री फुमिओ किशिदा बुधवार को सरकारी कार्यबल की बैठक में आधिकारिक तौर पर नए उपायों की घोषणा कर सकते हैं।

तेजी से बढ़ते संक्रमण ने कुछ क्षेत्रों में अस्पतालों, स्कूलों और अन्य क्षेत्रों को काफी प्रभावित किया है।

जापान ने अब तक वैश्विक महामारी से निपटने के लिए लॉकडाउन का विरोध किया है और इसके बजाय रेस्तरां तथा बार को जल्दी बंद करने, शराब ना परोसने जैसे उपाय किए हैं। वहीं, जनता से मास्क पहनने और सामाजिक दूरी बनाए रखने का आग्रह किया है क्योंकि सरकार अर्थव्यवस्था को होने वाले नुकसान को कम करना चाहती है।

जापान ने सितंबर में, संक्रमण के मामले कम होने के बाद धीरे-धीरे सामाजिक और व्यावसायिक गतिविधियों को बहाल करना शुरू किया था। विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसा कोविड-19 रोधी टीकों की शुरुआती दो खुराक देने के लिए तेजी से चलाए अभियान के चलते हो पाया है।

तोक्यो की गवर्नर यूरिको कोइके सहित कई स्थानीय गवर्नर के अनुरोध के बाद जापान की सरकार यह कदम उठा रही है।

स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, जापान में मंगलवार को 32,000 से अधिक मामले सामने आए थे, जिनमें से 5,185 मामले तोक्यो में सामने आए थे। जापान में अभी तक कोविड-19 के 19.3 लाख मामले सामने आ चुके हैं और संक्रमण से 1,84,00 लोगों की मौत हुई है। देश में अभी 134,000 से अधिक मरीज अस्पताल में भर्ती हैं।

मुंबई विस्फोटों के अपराधी पाकिस्तान में पांच-सितारा सुविधाओं का लुत्फ उठा रहे हैं: तिरुमूर्ति

न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र में भारत के राजदूत ने कहा है कि 1993 में मुंबई में हुए श्रृंखलाबद्ध बम विस्फोटों के लिए जिम्मेदार अपराधी पाकिस्तान में पांच-सितारा सुविधाओं का लाभ उठा रहे हैं और उन्हें सरकारी संरक्षण मिला हुआ है। उनका परोक्ष इशारा अंतरराष्ट्रीय अपराधी दाऊद इब्राहीम की तरफ था।

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत टी एस तिरुमूर्ति ने मंगलवार को 'ग्लोबल काउंटर-टेररिज्म काउंसिल' द्वारा आयोजित 'अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद निरोधक कार्रवाई सम्मेलन 2022' में कहा कि आतंकवाद और देशों के बीच संगठित अपराध के संपर्कों को पूरी तरह पहचाना जाना चाहिए तथा उन पर पुरजोर तरीके से ध्यान देना चाहिए।

उन्होंने कहा, ''हमने देखा है कि 1993 के मुंबई बम विस्फोटों के लिए जिम्मेदार अपराधियों के सिंडीकेट को न केवल सरकारी सुरक्षा दी गयी है बल्कि वह पांच-सितारा सुविधाओं का लुत्फ उठा रहा है।''

तिरुमूर्ति के बयानों को डी-कंपनी और उसके सरगना दाऊद इब्राहीम से जोड़कर देखा जा रहा है जिसके पाकिस्तान में छिपे होने की बात मानी जाती है।

पाकिस्तान ने अगस्त 2020 में पहली बार अपने यहां दाऊद की मौजूदगी को कबूल किया था। इससे पहले, वहां की सरकार ने 88 प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों और उनके नेताओं पर पाबंदियां लगाई थीं, जिनमें भारत द्वारा वांछित अंतरराष्ट्रीय अपराधी दाऊद का भी नाम था।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की 2022 के लिए आतंकवाद निरोधक कार्रवाई समिति के अध्यक्ष तिरुमूर्ति ने कहा कि '1267 अल-कायदा प्रतिबंध समिति' समेत संयुक्त राष्ट्र की प्रतिबंध प्रणलियां आतंकवाद के वित्तपोषण, आतंकवादियों की यात्राओं को रोकने और आतंकवादियों तक हथियारों की पहुंच पर लगाम लगाने के अंतरराष्ट्रीय प्रयासों के लिहाज से महत्वपूर्ण हैं।

उन्होंने चिंता जताते हुए कहा कि इन उपायों का क्रियान्वयन चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। भारतीय राजदूत ने कहा, ''यह महत्वपूर्ण है कि परिषद द्वारा स्थापित सभी प्रतिबंध व्यवस्थाएं अपनी कार्य प्रणाली और निर्णय लेने में उचित प्रक्रिया का पालन करें। निर्णय लेने की प्रक्रिया और आतंकवादी संगठनों को सूचीबद्ध करने या सूची से हटाने के कदम उद्देश्यपरक, त्वरित, प्रामाणिक, साक्ष्य आधारित और पारदर्शी होने चाहिए तथा राजनीतिक एवं धार्मिक विचार-विमर्श के लिए नहीं होने चाहिए।''

संयुक्त राष्ट्र सदस्यों की आतंकवाद को वर्गीकृत करने की प्रवृत्ति खतरनाक है: भारत

न्यूयॉर्क। भारत ने ''अपने राजनीतिक, धार्मिक एवं अन्य मकसदों'' के चलते आतंकवाद का वर्गीकरण करने की संयुक्त राष्ट्र के कई सदस्यों की प्रवृत्ति को मंगलवार को ''खतरनाक'' करार दिया।

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि टी एस तिरुमूर्ति ने वैश्विक आतंकवाद रोधी परिषद द्वारा ''आतंकवाद के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 2022' में कहा कि ''अपने राजनीतिक, धार्मिक एवं अन्य मकसदों'' के चलते संयुक्त राष्ट्र के कई सदस्यों की कट्टरपंथ से प्रेरित हिंसक अतिवादी और दक्षिणपंथी अतिवादी जैसे वर्गों में आतंकवाद का वर्गीकरण करने की प्रवृत्ति खतरनाक है और यह दुनिया को 11 सितंबर, 2001 को अमेरिका में हुए हमलों से पहले की उस स्थिति में ले जाएगी, जब ''आपके आतंकवादी'' और ''मेरे आतंकवादी''के रूप में आतंकवादियों का वर्गीकरण किया जाता था।

तिरुमूर्ति ने कहा कि इस तरह की प्रवृत्ति हाल में अपनाई गई वैश्विक आतंकवाद-रोधी रणनीति के तहत संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य देशों द्वारा स्वीकृत कुछ सिद्धांतों के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि यह रणनीति स्पष्ट करती है कि हर प्रकार के आतंकवाद की निंदा की जानी चाहिए और आतंकवाद को किसी भी प्रकार से उचित नहीं ठहराया जा सकता।

अफगानिस्तानी प्रधानमंत्री मुल्ला अखुंद आया पहली बार सामने, तालिबान शासन को मान्यता देने की अपील

काबुल, 19 जनवरी (वेब वार्ता)। अफगानिस्तान में लोकतांत्रिक सरकार हटाकर तालिबान शासन स्थापित करने के बाद कार्यवाहक प्रधानमंत्री मुल्ला हसन अखुंद पहली बार सार्वजनिक रूप से मीडिया के सामने आया है। अखुंद ने बुधवार को मीडिया से बात करते हुए दुनिया भर के देशों से अफगानिस्तान में तालिबान के प्रशासन को मान्यता देने की मांग की।

अखुंद ने कहा कि सभी देशों को आगे बढ़कर तालिबान प्रशासन को मान्यता देनी चाहिए, क्योंकि वह सभी जरूरी शर्तें पूरी करता है। खासतौर पर उन्होंने इस्लामिक देशों से अपील की है कि वे आगे आएं और तालिबान सरकार को मान्यता प्रदान करें।

अखुंद ने कहा कि मैं सभी सरकारों से खासतौर पर इस्लामिक देशों से कहना चाहता हूं कि उन्हें तालिबान प्रशासन को मान्यता देना शुरू करना चाहिए। वह पहली बार इस तरह से मीडिया के सामने आए थे। अपनी नियुक्ति के बाद से वह अब तक इस तरह से नहीं दिखे थे। सितंबर में तालिबान ने मुल्ला हसन अखुंद को देश का प्रधानमंत्री नियुक्त किया था। हालांकि तब से अब तक चीन, रूस, अमेरिका, फ्रांस, भारत और जर्मनी समेत किसी भी देश ने तालिबान के प्रशासन को मान्यता नहीं दी है। हालांकि पाकिस्तान की ओर से कई बार इस संबंध में मांग की जा चुकी है कि तालिबान को मंजूरी दी जानी चाहिए।

अफगानिस्तान की सत्ता पर तालिबान ने पिछले साल 15 अगस्त को कब्जा जमा लिया था। अमेरिका के नेतृत्व वाली सेनाओं ने 30 अगस्त की समय सीमा देश छोड़ने की रखी थी। उससे पहले ही तालिबान ने देश के सभी प्रांतों में हमले तेज कर दिए थे और सत्ता कब्जा ली लेकिन इसके बाद किसी भी देश ने अब तक उसे मान्यता प्रदान नहीं की है। यही नहीं अमेरिका ने तो अफगानिस्तान के बैंकों की जमा लाखों डॉलर की पूंजी को भी सीज कर दिया है। तालिबान ने इस रकम को भी रिलीज करने की कई बार मांग की है। तालिबान का कहना रहा है कि यदि इस रकम को जारी नहीं किया गया तो फिर देश का विकास नहीं हो पाएगा।

सिनेगॉग के हमलावर की पृष्ठभूमि की जांच में आपत्तिजनक सूचना नहीं मिली थी: अमेरिका

डलास (अमेरिका)।

अमेरिकी राज्य टेक्सास में यहूदी के पूजा स्थल (सिनेगॉग) पर चार लोगों को बंधक बनाने वाले हमलावर के अमेरिका में दाखिल होने से पहले सुरक्षा एजेंसियों ने उसकी पृष्ठभूमि की जांच की थी, लेकिन उसके बारे में कोई आपत्तिजनक सूचना नहीं मिली थी। व्हाइट हाउस ने यह जानकारी दी है। करीब 10 घंटे बाद हमलावर को मार गिराया गया था।

अधिकारियों ने बताया कि ब्रिटिश नागरिक मलिक फैसल अकरम (44) पर्यटन वीजा पर दो सप्ताह पहले न्यूयॉर्क में कैनेडी हवाई अड्डे पर आया था। कोलीविले में शनिवार को हमले के पहले वह डलास में बेघरों के आश्रय स्थल में रहा था।

माना जाता है कि अमेरिका के संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) द्वारा तैयार और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के

■ अधिकारियों ने बताया कि ब्रिटिश नागरिक मलिक फैसल अकरम (44) पर्यटन वीजा पर दो सप्ताह पहले न्यूयॉर्क में कैनेडी हवाई अड्डे पर आया था। कोलीविले में शनिवार को हमले के पहले वह डलास में बेघरों के आश्रय स्थल में रहा था।

साथ साझा किए जाने वाले ज्ञात एवं संदिग्ध आतंकियों की सूची में अकरम का नाम नहीं था। सुरक्षा अधिकारियों ने कहा कि अगर अकरम का नाम इस सूची में होता तो उसके लिए अमेरिका में दाखिल होना आसान नहीं होता।

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव जेन साकी ने मंगलवार को कहा, ''हमें जानकारी मिली है कि अमेरिका में अकरम के दाखिल होने के पहले कई बार उसकी पृष्ठभूमि की जांच की गई थी और अमेरिकी सरकार को उसके आने के समय कोई आपत्तिजनक सूचना नहीं मिली थी। इसके बावजूद हम फिर से उन तथ्यों पर गौर कर रहे हैं... हम देख रहे हैं कि इससे हम क्या सीख ले सकते हैं ताकि भविष्य में दोबारा ऐसी घटनाएं ना हों।''

डलास से उत्तर-पश्चिम में करीब 48 किलोमीटर दूर कोलीविले में बंधक प्रकरण उस वक्त खत्म हुआ जब वहां फंसा हुआ आखिरी व्यक्ति सिनेगॉग से निकल गया। इसके फौरन बाद एफबीआई की टीम वहां पहुंची, जिसके बाद अकरम के मारे जाने की सूचना मिली।

चीन सरकार की वेबसाइट हैक, हैकरों ने भेजा ताइवान नुम्बा वान और ताइवान का ध्वज

ताइपे।

बेनामी विकेंद्रीकृत अंतरराष्ट्रीय हैक्टिविस्ट समूह ने चीन की राष्ट्रीय वेबसाइट को हैक कर लिया है। हैकरों ने चीनी सरकार की वेबसाइट की सुरक्षा में सेंध लगा कर वेबसाइट पर ÷ताइवान नुम्बा वान के साथ ताइवान का राष्ट्रीय ध्वज और प्रतीक अपलोड कर दिया है।

हैकरों ने चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीपी) के खिलाफ विरोध जताते हुए अन्य संकेतों को भी भेजा है। इसके अलावा यूक्रेन में संकट के शांतिपूर्ण समाधान के लिए भी कहा गया है।

बेनामी प्रतिनिधि एलाइज ओपी ओमी के अनुसार शुक्रवार (जनवरी 14) को देश के प्राकृतिक संसाधन मंत्रालय की सहायक कंपनी, पोलर रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ चाइना से संबद्ध एक चीनी सरकारी वेबसाइट पोलर डाट सीएन को हैक कर लिया। तब से वेबसाइट को हटा दिया गया है, जिसके बाद हैकरों ने इंटरनेट आर्काइव की वेबैक मशीन पर एक संग्रहित संस्करण सहेजा है।

हैक्टिविस्ट्स ने वेबसाइट के प्रोजेक्ट्स सेक्शन के तहत ÷वी आर एनोनिमस! शीर्षक का एक पेज बनाया है, जिसमें के तहत बेनामी लोगो दिखाई दिया, उसके बाद ताइवान नुम्बा वान! लिखा हुआ है।

लिथुआनियाई रूढ़िवादी विश्वासी विनियस, लिथुआनिया के पास एक झील में एक पारंपरिक एपिफेनी उत्सव के दौरान आधी रात के तुरंत बाद बर्फीले पानी में स्नान करते हैं। एपिफेनी पर एक मौलवी द्वारा आशीर्वाद दिया गया पानी अगले साल के उत्सव तक पवित्र और शुद्ध माना जाता है, और माना जाता है कि इसमें सुरक्षा और उपचार की विशेष शक्तियां होती हैं।

रूस के राजनयिक डेनिस अलीपोव राजदूत के रूप में लौटेंगे भारत

नई दिल्ली।

नई दिल्ली के राजनयिक दायरे में एक महत्वपूर्ण बदलाव होगा, क्योंकि रूस के राजनयिक डेनिस अलीपोव को भारत में नया राजदूत नियुक्त किया गया है।

वह निकोले कुदाशेव का स्थान लेंगे, जो सिंगापुर में नए रूस के राजदूत होंगे।

अलीपोव को भारत के विशेषज्ञ के रूप में जाना जाता है। वह रूस के विदेश मामलों के मंत्रालय में एशिया डेस्क पर उप निदेशक थे और इससे पहले उन्होंने यहां रूस के दूतावास में उप प्रमुख के रूप में कार्य किया था।

रूस के दूतावास के एक बयान के अनुसार, इस देश में दशकों के लंबे अनुभव के साथ एक करियर राजनयिक और समर्पित भारत विशेषज्ञ डेनिस अलीपोव को भारत में नया राजदूत नियुक्त किया गया है और वह जल्द

ही कुदाशेव का स्थान लेंगे।

उनकी नियुक्ति पिछले महीने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच शिखर सम्मेलन के तुरंत बाद हुई, जिसमें दोनों देश कई विषयों पर एक साथ काम करने पर सहमत हुए।

कोविड-19 से जुड़ी स्वास्थ्य आपात स्थिति इस साल खत्म हो सकती है: डब्ल्यूएचओ

जिनेवा।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने मंगलवार को कहा कि विश्व में कोविड रोधी टीकाकरण और दवाओं के वितरण की असमानताओं को शीघ्रता से दूर किया जाता है, तो इस वर्ष कोविड-19 वैश्विक महामारी से जुड़ी स्वास्थ्य आपात स्थिति यानी उससे होने वाली मौत, अस्पतालों में मरीजों के भर्ती होने और लॉकडाउन से निजात पाया जा सकता है।

विश्व आर्थिक मंच द्वारा 'टीकों को लेकर असमानता' पर आयोजित एक चर्चा के दौरान डॉ. माइकल रेयान ने कहा, '' हम शायद इस वायरस को कभी खत्म ना कर पाएं, क्योंकि वैश्विक महामारी का रूप लेने वाले ऐसे वायरस अकसर अंत में पारिस्थितिकी तंत्र का हिस्सा बन जाते हैं।''

उन्होंने कहा कि लेकिन ''हमारे पास इस वर्ष जन स्वास्थ्य आपात स्थिति को समाप्त करने का मौका है, अगर हम वे करें जिनके बारे में हम अभी तक बात कर रहे हैं।''

डब्ल्यूएचओ ने अमीर और गरीब देशों के बीच कोविड-19 रोधी टीकाकरण में असमानता को एक भयावह नैतिक विफलता बताया। कम आय वाले देशों में अभी तक 10 प्रतिशत से कम लोगों को कोविड-19 रोधी टीकों की पहली खुराक ही दी गई है।

रेयान ने विश्व एवं व्यापारिक जगत के नेताओं की ऑनलाइन बैठक में कहा कि यदि टीकों और अन्य उपकरणों को उचित रूप से साझा नहीं किया गया, तो वायरस की त्रासदी, जिसने अब तक दुनिया भर में 55 लाख से अधिक लोगों की जान ली है...वह जारी रहेगी।

उन्होंने कहा कि हमें अपनी अधिकतम आबादी का टीकाकरण करने की जरूरत है, ताकि इससे किसी की जान ना जाए।

रेयान ने कहा, '' समस्या, इससे होने वाली मौत है। इससे लोगों के अस्पताल में भर्ती होने की नौबत आना है। यह हमारी सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक व्यवस्था का विघटन है, जो त्रासदी का कारण बना है...''

रेयान ने कहा, ''स्थानिक (एक क्षेत्र तक सीमित) मलेरिया से लाखों लोगों की जान गई। स्थानिक एचआईवी, स्थानिक हिंसा हमारे शहरों में विद्यमान है। स्थानिक का मतलब अच्छा नहीं है। स्थानिक का मतलब है कि यह हमेशा के लिए मौजूद रहेगा।''

सार्वजनिक स्वास्थ्य अधिकारियों ने आगाह किया है कि इसकी ज्यादा संभावना नहीं है कि कोविड -19 को समाप्त कर दिया जाएगा और इससे लोगों की मौत भी होगी भले ही ऐसा बहुत कम हो या यह स्थानिक हो।

इस कार्यक्रम में इज़राइल के प्रधानमंत्री नफताली बेनेट जैसे विश्व नेताओं ने वैश्विक महामारी से निपटने के तरीकों पर अपने विचार रखे।

बेनेट ने कहा कि उनके देश ने व्यापक टीकाकरण अभियान चलाया है और उनके पास कोविड-19 से निपटने की दिशा में ''दवाओं और टीकों के लिए अग्रणी'' रहने की रणनीति है।

इज़राइल के स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि देश में 62 प्रतिशत लोगों का पूर्ण टीकाकरण हो चुका है, उन्हें 'बूस्टर' खुराक भी लग चुकी है।

जापान के प्रधानमंत्री फुमिओ किशिदा ने कहा कि उनके देश में व्यापक स्तर पर टीकाकरण किया है, क्योंकि समाज बुजुर्गों और कमजोर स्वास्थ्य वाले लोगों की रक्षा करना चाहता है। फरवरी के अंत तक सीमा पर कड़ी पाबंदियां रखने की योजना भी है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक टेद्रोस अदहानोम ग्रेबेयेसस ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि 'ओमीक्रोन' स्वरूप ''अब भी विश्वभर में फैल रहा है'', पिछले सप्ताह 1.8 करोड़ नए मामले सामने आए थे।

ब्रिटेन की कोर्ट ने भगोड़े विजय माल्या को दिया झटका, छोड़ना होगा लंदन का घर

लंदन।

भारी भरकम रकम लेकर देश से भाग चुके उद्योगपति विजय माल्या को ब्रिटेन की अदालत ने बड़ा झटका दिया। अब उन्हें लंदन स्थित अपना घर छोड़ना पड़ेगा। कोर्ट के आदेश के बाद माल्या को पूरे परिवार के साथ आलीशान घर खाली करना होगा। घर पर कब्जा स्विस बैंक का होगा।

माल्या की लंदन स्थित आलीशान घर से बेदखल किए जाने के आदेश पर रोक लगाने की अर्जी ब्रिटिश अदालत ने मंगलवार को खारिज कर दी है। स्विस बैंक यूबीएस के साथ लंबे समय से जारी कानूनी विवाद में माल्या के इस घर को खाली कराने का आदेश दिया था। माल्या ने इस आदेश के अनुपालन पर रोक लगाने की मांग की थी। लंदन हाई कोर्ट के जज डिप्टी मास्टर ने पिछले हफ्ते माल्या के

करोड़ों पाउंड के लग्जरी घर पर जबरन कब्जा करने के आदेश पर रोक लगाने पर फैसला सुरक्षित रखा था।

रिपोर्ट के मुताबिक विजय माल्या अपने बेटे सिद्धार्थ और मां ललिता के साथ वहां रहते हैं। अब उन्हें लक्जरी संपत्ति से बेदखल कर दिया जाएगा। स्विस बैंक यूबीएस कथित तौर पर 64 वर्षीय संकटग्रस्त व्यवसायी की प्रमुख संपत्ति कॉर्नवाल टेरेस अपार्टमेंट पर कब्जा कर लेगा, जो लंदन में रीजेंट पार्क में है।

लंदन हाई कोर्ट के चांसरी डिविजन के जस्टिस मैथ्यू मार्श ने अपने फैसले में कहा कि माल्या परिवार को बकाया राशि के भुगतान के लिए अतिरिक्त समय देने का कोई आधार नहीं है। इसका मतलब है कि माल्या को इस संपत्ति से बेदखल किया जा सकता है। माल्या को इस स्विस बैंक को 2.04 करोड़ पाउंड का कर्ज लौटाना है।

दिल्ली सरकार ने कोविड पर नजर रखने के लिए निजी अस्पतालों में सीनियर नर्सिंग अधिकारियों को किया तैनात

नई दिल्ली ।

दिल्ली सरकार ने राज्य सरकार द्वारा संचालित अस्पतालों के वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारियों को निजी स्वास्थ्य सुविधाओं में नोडल अधिकारी के रूप में तैनात करने का फैसला किया है ताकि निजी सुविधाओं में कोविड की स्थिति और टीकाकरण की निगरानी की जा सके।

सरकार द्वारा संचालित अस्पतालों को सेवानिवृत्त और स्थानांतरित नर्सिंग कर्मियों के लिए उपयुक्त रिप्लेसमेंट खोजने के लिए कहा गया है।

दिल्ली के स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी मंगलवार को एक आदेश में कहा गया है, कोविड-19 रोगियों के प्रबंधन की निगरानी के साथ-साथ कोविड टीकाकरण की निगरानी के लिए दिल्ली सरकार के अस्पतालों से विभिन्न निजी स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं में वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारियों को नोडल अधिकारियों के रूप में तैनात करने में सक्षम प्राधिकारी प्रसन्न हैं।

पत्र में कहा गया है कि इन वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारियों को अपने-अपने अस्पतालों से तत्काल प्रभाव से कार्यमुक्त किया जाता है। उनको निर्देश दिया जाता है कि वे अपने अस्पतालों से किसी औपचारिक राहत आदेश की प्रतीक्षा किए बिना निजी अस्पतालों में अपनी तैनाती के स्थान पर रिपोर्ट करें। यह आदेश राज्य सरकार द्वारा संचालित अस्पतालों के सभी चिकित्सा निदेशकों और चिकित्सा अधीक्षक को निर्देशित किया गया है।

इस बीच, राष्ट्रीय राजधानी ने मंगलवार को पिछले 24 घंटों में 11,684 नए कोविड मामले दर्ज किए। ताजा कोविड संक्रमण ने कुल टैली को 17,34,181 बढ़ा दिया। वहीं, शहर में 38 मौतें भी हुई हैं, जिससे मरने वालों की संख्या 25,425 हो गई है।

दिल्ली की पॉजिटिविटी रेट भी घटकर 22.47 प्रतिशत रह गई है, जो सोमवार के 27.99 प्रतिशत से काफी नीचे है। 5,000 से अधिक मामलों में गिरावट की रिपोर्ट करते हुए, मंगलवार को दिल्ली के स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, शहर में सक्रिय केसलोड 78,112 है।

दिल्ली सरकार द्वारा दिल्ली में COVID-19 मामलों में वृद्धि के कारण दुकानों पर सम-विषम नियम लागू करने के बाद सदर बाजार का एक दृश्य।

कॉलेज में हंगामा : शिक्षकों ने की प्राथमिकी दर्ज किए जाने की मांग

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के कॉलेज ऑफ वोकेशनल स्टडीज के शिक्षकों ने कुलपति को पत्र लिखकर सोमवार को शासी निकाय की बैठक के दौरान कथित तौर पर हंगामा करने वालों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराए जाने की मांग की है।

कॉलेज के कर्मचारियों के संघ ने पत्र में आरोप लगाया कि भ्रष्टाचार के दोषी पाए गए कुछ शिक्षकों ने उपद्रव किया।

उन्होंने आरोप लगाया कि शिक्षकों ने शासी निकाय के कुछ सदस्यों को बंद कर दिया। संघ ने हंगामा करने वाले शिक्षकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराए जाने की मांग की।

डीडीए के बजट को मंजूरी दी गई

नई दिल्ली । दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के वर्ष 2022-23 के बजट को मंगलवार को मंजूरी दे दी गई, जिसमें वर्तमान में जारी आवासीय परियोजनाओं, प्रमुख बुनियादी ढांचा कार्यों और दिल्ली मेट्रो के चौथे चरण के लिए राशि आवंटित की गई।

अधिकारियों ने कहा कि 7,933 करोड़ रुपये के वार्षिक परिव्यय के साथ उपराज्यपाल अनिल बैजल की अध्यक्षता में प्राधिकरण की एक ऑनलाइन बैठक में बजट को मंजूरी दी गई। बैजल डीडीए के अध्यक्ष भी हैं।

अधिकारियों ने कहा कि डीडीए के बजट में बुनियादी ढांचे, जारी आवासीय एवं खेल संबंधी परियोजनाओं, झुग्गी पुनर्वास, पर्यावरणीय पहल और मेट्रो परियोजनाओं के लिए आवंटन शामिल है।

दिल्ली के हरि नगर में लगी भीषण आग, 22 लोगों को बचाया गया

नई दिल्ली । राष्ट्रीय राजधानी के हरि नगर इलाके में बुधवार को एक चार मंजिला आवासीय इमारत में आग लग गई, जिसके बाद 22 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया। दमकल विभाग के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि घंटाघर, हरि नगर के पास एच नं-सी-84-ए में तड़के करीब तीन बजे आग लगने की घटना की सूचना मिली जिसके बाद तत्काल दो दमकल गाड़ियों को सेवा में लगाया गया।

अधिकारी ने कहा, अब आग पर काबू पा लिया गया है।

कूलिंग की प्रक्रिया भी पूरी कर ली गई है। अधिकारी ने पुष्टि की कि इस घटना में कोई हताहत या घायल नहीं हुआ है, हालांकि निश्चित रूप से संपत्ति का नुकसान हुआ है।

दिल्ली दमकल सेवा के प्रमुख अतुल गर्ग ने कहा कि आग छोटी थी लेकिन जैसे ही धुआं सभी मंजिलों में फैल गया, सभी लोगों को बाहर निकालना पड़ा।

यह घटना नरेला औद्योगिक क्षेत्र में जूता बनाने वाली एक फैक्ट्री में आग लगने के चार दिन बाद की है। तब किसी के घायल या हताहत होने की सूचना नहीं थी।

पन्नू को भारत लाकर देशद्रोह का मुकदमा चलाकर फांसी दिये जाने की मांग को लेकर यूनाईटेड हिन्दू फ्रंट का जोरदार प्रदर्शन

नई दिल्ली। कनाडा में बैठकर पंजाब को आतंकवाद की आग में एक बार फिर झोंकने को प्रयासरत भारत में पूर्णतः प्रतिबंधित 'सिख फॉर जस्टिस' के गुरूपतवंत सिंह पन्नू को भारत लाने की मांग को लेकर यूनाईटेड हिन्दू फ्रंट एवं राष्ट्रवादी शिवसेना की ओर से आज जंतर-मंतर पर जोरदार प्रदर्शन किया गया।

प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए फ्रंट के अंतर्राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष एवं राष्ट्रवादी शिवसेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जय भगवान गोयल ने पन्नू को जल्द से जल्द भारत लाकर देशद्रोह का मुकदमा चलाकर फांसी दिये जाने की मांग दोहराई। श्री गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की सुरक्षा में सेंध की जिम्मेवारी लेने वाले, जजों, वकीलों और हिन्दुओं को खुलेआम धमकाने वाले पन्नू को खुला छोड़ने का मतलब पंजाब में आतंकवाद की आग दोबारा फेलाना होगा। पन्नू, खालिस्तानी लिब्रेशन फ्रंट और उसके तथाकथित खालिस्तानी समर्थक न केवल कनाडा और ब्रिटेन में सिखों को भड़काने में लगे हैं बल्कि पंजाब में आतंकी वारदातों को खुलकर करने के लिए पाक खुफिया एजेंसी आई.एस.आई. की मदद के हथियारों की आपूर्ति भी कर रही है। पहले ही नशे की गिरफ्त में बुरी तरह फंसे पंजाब के युवकों को उग्रवाद की लपेट में लेकर पन्नू एण्ड कंपनी अपना उल्लू सीधा कर रही है।

श्री गोयल ने इस अवसर पर केन्द्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह को एक ज्ञापन भी प्रस्तुत किया जिसकी प्रति प्रधानमंत्री एवं केन्द्रीय विदेश मंत्री को भेजकर पन्नू व खालिस्तानी समर्थकों के विरूद्ध सीधी कार्रवाई करके उन्हें भारत लाकर राष्ट्रद्रोह का मुकदमा चलाकर फांसी दिये जाने की मांग की गई है। ज्ञापन में स्पष्ट कहा गया है कि पन्नू का संगठन सिख फॉर जस्टिस न होकर सिख फॉर टेररिस्म है। अतः इसे अंतर्राष्ट्री स्तर पर प्रतिबंधित करवाने के लिए भारत सरकार त्वरित कदम उठाए।

महिलाओं के खिलाफ अश्लील टिप्पणी

दिल्ली पुलिस ने 'क्लबहाउस' ऐप से विवरण मांगा

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने बुधवार को 'क्लब हाउस' ऐप को पत्र लिखकर उस कथित ऑडियो चैट समूह के आयोजक के बारे में जानकारी मांगी, जिसमें मुस्लिम महिलाओं के खिलाफ कुछ अश्लील टिप्पणियां की गई थीं। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी है।

दिल्ली पुलिस की 'इंटेलिजेंस फ्यूज़न ऐंड स्ट्रैटेजिक ऑपरेशन्स' इकाई ने एक दिन पहले ही इस मामले में अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। यह इकाई विशेष प्रकोष्ठ की देखरेख में काम करती है।

दिल्ली महिला आयोग ने मंगलवार को दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी कर ऐप पर मुस्लिम महिलाओं के खिलाफ अश्लील टिप्पणी करने वाले कुछ लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी जिसके कुछ घंटों के बाद ही प्राथमिकी दर्ज की गई।

एक आधिकारिक सूत्र ने बताया, इस मामले में भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया जा चुका है। हमने उस कथित ऑडियो चैट समूह के आयोजक के बारे में विवरण मांगने के लिए क्लबहाउस ऐप को पत्र भी लिखा है जिसमें कुछ मुस्लिम महिलाओं के खिलाफ अश्लील टिप्पणियां' की गई थीं।

पुलिस के मुताबिक, भारतीय दंड संहिता की धारा 153ए (धर्म, नस्ल, जन्म स्थान, भाषा आदि के आधार पर विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी बढ़ाना), 295ए (किसी वर्ग की धार्मिक भावनाओं को आहत करने के विमर्शित और विद्वेषपूर्ण आशय से उस वर्ग के धर्म या धार्मिक विश्वासों का अपमान करना) और 354ए (यौन उत्पीड़न) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

ओड-इवन समाप्त करने पर विचार करें दिल्ली सरकार: चन्दर भूषण गुप्ता

नई दिल्ली। दिल्ली के व्यापारियो की आर्थिक स्तिथि पिछले 3 सालो से कोरोना महामारी के कारण डांवाडोल चल रही है । कोरोना केस भी ज्यादा घातक नहीं है 4- 5 दिनों मे घर मे ही ठीक हों रहे है । शादी विवाह मे 20 आदमियों की परमिशन की वजह से दिल्ली की शादियां पडोसी राज्यों मे शिफ्ट हों रही है जिससे दिल्ली के व्यापारियों के साथ ही दिल्ली सरकार का रेवेन्यू लॉस भी हों रहा है । महीने मे 8 दिन दुकाने खुल रही है जिससे पूरे महीने के खर्चे निकालना असंभव है । महोदय बंद दुकानों के सामने पटरी लग जाने से भीड़ टूट कर पड़ रही है जिस पर किसी एजेंसी द्वारा कोई रोक नहीं है । दुकानदार करोडो रूपये की लागत लगाकर अपने को ठगा हुआ महसूस कर रहा है और पटरी लगाने की सोच रहा है । दिल्ली मे अधिकृत पटरी की व्यवस्था लागू करें जिसकी ऑनलाइन बुकिंग व फीस जमा की जा सके और पटरी वालो से अवैध वसूली की जगह वैध शुल्क वसूल करें जिससे एक और सरकार का रेवेन्यू बढेगा तो दूसरी और पटरी वालो का शोषण रोका जा सकेगा ।

महोदय चाँदनी चौक मे शराब के ठेके पर 200 आदमियों की लाइन बाई तरफ से और 200 आदमियों की लाइन दाई से लगी रहती है जो पूरे चाँदनी चौक की सोशल डिस्टैन्सिंग को बाधित कर रही है, वीकेंड पर तो सारे रिकॉर्ड टूट रहे है इस पर भी आप अगर होम डिलीवरी व्यवस्था लागू करेंगे तो इन लम्बी लाइनों से तो छुटकारा मिलेगा ही साथ ही देश के ऐतिहासिक चाँदनी चौक की गरिमा भी क़ायम रहेगी

। महोदय अगर संभव हों तो तुरंत प्रभाव से या 24 जनवरी दिन सोमवार से ओड-इवन समाप्त करके व्यापारियों को राहत प्रदान करने पर विचार करें । दिल्ली का व्यापारी भी वोटर है तथा एक व्यापारी 100 वोटर को प्रभावित करने की क्षमता रखता है और हमेशा सरकार के साथ खड़ा रहता है ।

बदला लेने के लिए बच्चे की हत्या करने के आरोप में व्यक्ति गिरफ्तार

नई दिल्ली । दिल्ली पुलिस ने उत्तर प्रदेश के एटा से पांच वर्षीय बच्चे का शव बरामद होने के बाद कथित तौर पर बदला लेने के लिए वारदात को अंजाम देने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि आरोपी सुनील ने कथित तौर पर 15 जनवरी को अपने चाचा के घर के बाहर खेल रहे बच्चे का अपहरण कर लिया था और बाद में उसे एटा ले गया, जहां उसने बच्चे को गला घोंटकर मार डाला।

पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने बच्चे के परिवार से सात साल पहले हुई अपने भाई की मौत का बदला लेने के लिए वारदात को अंजाम दिया।

वायु प्रदूषण से निपटने के लिए पूरे साल बहुआयामी उपाय करें :सीपीआर

नई दिल्ली ।

दिल्ली के वायु प्रदूषण को जटिल, बहुआयामी चुनौती बताते हुए सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च (सीपीआर) ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) से न केवल पूरे वर्ष वायु प्रदूषण से निपटने के लिए सक्रिय रूप से बहु-आयामी उपाय करने का आग्रह किया गया है, बल्कि शिकायतों का जवाब देने की अपील भी की है।

सीपीआर ने एक शोध रिपोर्ट के अधार पर कहा, वायु प्रदूषण एक जटिल, बहुआयामी चुनौती है और इस चुनौती से पिपटने के लिए सावधानीपूर्वक विचार-विमर्श, बहु-क्षेत्रीय, दीर्घकालिक रणनीति की जरूरत है। आयोग को पूरे वर्ष वायु प्रदूषण से निपटने के लिए सक्रिय रूप से बहुआयामी उपाय करने चाहिए।

सीपीआर ने जोर देकर कहा, इसमें प्रदूषण के सभी स्रोतों की पहचान करना और साल भर इन स्रोतों से उत्सर्जन को कम करने के लिए प्रमुख उपायों को परिभाषित करना शामिल होगा, जो कि ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (जीआरएपी) जैसे आपातकालीन उपायों पर निर्भरता को कम करेगा।

सुझाव दिया गया है कि इस क्षेत्र में स्रोतों की स्थानिक विविधता यह भी मांग करती है कि सीएक्यूएम एक शहरी-केंद्रित वायु गुणवत्ता प्रबंधन दृष्टिकोण को छोड़ दे, और इसके बजाय ग्रामीण और उप-शहरी क्षेत्रों पर अधिक ध्यान केंद्रित करे।

इसके अलावा, सीएक्यूएम ने हाल ही में संशोधित न्यू कार असेसमेंट प्रोग्राम शुरू किया है, जिसका उद्देश्य 2026 तक परिवेशी वायु प्रदूषण के स्तर को काफी कम करना है।

सीपीआर ने अपने दूसरे बिंदु में उल्लेख किया, इन महत्वाकांक्षी लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सभी एजेंसियों द्वारा कार्यों की नियमित समीक्षा की एक विश्वसनीय प्रक्रिया की आवश्यकता होगी, समय पर और उचित कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए जवाबदेही के परिभाषित ढांचे के साथ-साथ अंतरिम लक्ष्यों और सफलता के मार्करों का मूल्यांकन किया जाएगा।

सीपीआर ने कहा कि सीएक्यूएम को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि इसके कामकाज के साथ-साथ इसके द्वारा जारी किए गए निर्णयों/निर्देशों से संबंधित सभी जानकारी सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध कराई जाए और लोगों के लिए आसानी से सुलभ हो।

यूथ कांग्रेस ने दिल्ली सरकार पर लगाया कम कोरोना टेस्ट करने का आरोप

नई दिल्ली । भारतीय युवा कांग्रेस ने मंगलवार को दिल्ली के उपराज्यपाल अनिल बैजल को एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें दिल्ली सरकार पर राष्ट्रीय राजधानी में कम कोरोना टेस्ट करने का आरोप लगाया है।

युवा कांग्रेस के अध्यक्ष बी.वी श्रीनिवास ने उपराज्यपाल से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि अगले 15 दिनों तक रोजाना कम से कम 1 लाख टेस्ट किए जाएं और यह सुनिश्चित करें कि पॉजिटिव मामले वाले लोगों को ऑक्सीजन बेड उपलब्ध कराए जाएं।

प्रतिनिधिमंडल ने कहा, राष्ट्रीय राजधानी में टेस्ट पॉजिटिविटी रेट लगभग 30 प्रतिशत बनी हुई है, लेकिन टेस्ट की संख्या 12 जनवरी को लगभग 1 लाख से घटकर 17 जनवरी को लगभग 40,000 हो गई है।

यूथ कांग्रेस ने दिल्ली सरकार पर टेस्ट की संख्या को कम करके और इस तरह कोरोना मामलों की वास्तविक संख्या को दबाकर महामारी की चल रही तीसरी लहर को संभालने में अपनी विफलता को कवर करने की कोशिश करने का भी आरोप लगाया है।

हाम्रो स्वाभिमान ट्रस्ट दिल्ली द्वारा सैकड़ों गरीब परिवार को नाश्ता, भोजन तथा कम्बल वितरण किया गया !

नई दिल्ली।

हाम्रो स्वाभिमान ट्रस्ट दिल्ली अध्यक्ष श्रीमती अनिता ज्ञवाली जी और हाम्रो स्वाभिमान ट्रस्ट युवा समिति का सदस्य श्री दीपक के विभिन्न क्षेत्र में सहयोग का कार्य करता रहा है और इसी कार्य को आगे बढ़ाते हुए आज

द्वारा को हाम्रो स्वाभिमान ट्रस्ट के सेटलर ट्रस्टी आदरणीय एडवोकेट श्री प्रेम क्षेत्री जी और महासचिव श्रीमती अनिता क्षेत्री जी के नेतृत्व में हाम्रो स्वाभिमान ट्रस्ट के पदाधिकारी - कार्यकारी अध्यक्ष एवं योगगुरु श्री शिवलाल ज्ञवाली जी, उपाध्यक्ष श्री नारायण शर्मा जी , महिला समिति की शर्मा जी एवं गिरवर नाथ जन कल्याण धर्मार्थ ट्रस्ट के ट्रस्टी श्री कमल खड्का जी और देहरादून से सामाजिक कार्यकर्ता श्रीमती कमला थापा जी की उपस्थिति में गऊघाट, हरिद्वार में सैकड़ों गरीब परिवार को नाश्ता, भोजन तथा कम्बल वितरण किया गया !

हाम्रो स्वाभिमान ट्रस्ट देश हरिद्वार के पावन स्थान में हाम्रो स्वाभिमान ट्रस्ट ने कम्बल वितरण के अलावा ज़रूरतमंद और ग़रीबों को खाना वितरण किया ! इस पवित्र देवभूमि हरिद्वार में पवित्र दान और भोजन व्यवस्था के लिए हाम्रो स्वाभिमान ट्रस्ट के मेम्बेर्स ने सहयोग किया !

जागरूक

पिछले दिनों ग़ाज़ियाबाद के डासना स्थित मंदिर के महंत यति नरसिंहानंद ने बी बी सी की टीम को एक पूर्व निर्धारित इंटरव्यू दिया। महंत यति नरसिंहानंद का नाम मीडिया के द्वारा पहली बार तब प्रचारित किया गया था जब डासना स्थित उनके मंदिर के बाहर लगे एक प्याऊ पर गत वर्ष 11 मार्च को पानी पीने के कारण एक मुसलमान परिवार के आसिफ़ नामक बचे को बुरी तरह से पीटा गया था तथा उसका वीडियो वायरल किया गया था।

पत्रकारों के सवालों से 'लाजवाब' होते यह 'रणछोड़'

-निर्मल रानी-

हमारे देश में मीडिया व पत्रकारिता का स्तर इतना गिर चुका है कि गोदी मीडिया , दलाल मीडिया व चाटुकार मीडिया जैसे शब्द प्रचलन में आ गये हैं। दुर्भाग्यवश सत्ता प्रतिष्ठान को दंडवत करने तथा सत्ता के एजेंडे को प्रसारित करने वाले पत्रकारों को भी दलाल,चाटुकार व बिकाऊ पत्रकारों जैसी उपाधियों से नवाज़ा जा चुका है। कहना ग़लत नहीं होगा कि मुख्य धारा के अधिकांश मीडिया घराने तथा इससे जुड़े पत्रकार, पत्रकारिता जैसे ज़िम्मेदाराना पेशे की मान मर्यादा व कर्तव्यों का पालन करने के विपरीत चाटुकारिता,धनार्जन तथा सत्ता के समक्ष नत मस्तक होने को ही पत्रकारिता मान बैठे हैं। परन्तु आज भी देश में बी बी सी व एन डी टी वी जैसे कुछ गिने चुने मीडिया संस्थान,अनेक सोशल मीडिया साइट्स तथा इन्हीं से जुड़े कुछ पत्रकार ऐसे भी हैं जो वास्तविक पत्रकारिता की लाज बचाए हुए हैं। और जब ऐसा ही कोई सचा पत्रकार किसी भी राजनेता या धर्मगुरु से कुछ ऐसे सवाल पूछ बैठता है जिसका जवाब देना आसान नहीं होता,अथवा जिन सवालों के जवाब यह देना नहीं चाहते,या फिर इनके सामने ऐसे सवाल रख दिये जाते हैं जिनसे यह इसलिये बचना चाहते हैं क्योंकि इनके पास उन सवालों के जवाब नहीं हैं,उस समय इनकी खीज व चिढ़ देखने लायक़ होती है। यह उस समय अपना माइक उतार फेंकते हैं,पत्रकार को अपमानित करते हैं,गाली गलौच व मारपीट पर उतर आते हैं। और भविष्य में ऐसे गुस्ताख़ पत्रकार को कभी कोई इंटरव्यू भी नहीं देते। देश के अनेक जाने माने पत्रकार इन दिनों अपने दलाल स्वामियों की ग़ुलामी करने के बजाये अपना यू ट्यूब चैनल चला कर न केवल अपने पेशे की लाज बचा रहे हैं बल्कि देश को वास्तविक पत्रकारिता के तेवरों से भी परिचित करा रहे हैं।

परन्तु इन परिस्थितियों में सवाल यह पैदा होता है कि आख़िर जो कथित धर्म गुरु या राजनेता देश व समाज को मार्ग दर्शन देने का दावा करते हैं,जिन्हें यह मुग़ालता रहता है कि वे जो भी करते या कहते हैं केवल वही शाश्वत सत्य है, उन्हीं के पास किसी भी कर्तव्यनिष्ठ पत्रकार के सवालों का माकूल जवाब आख़िर क्यों नहीं होता ? क्यों ऐसे लोग उन पत्रकारों को अपमानित करने लगते हैं यहाँ तक कि हिंसा पर उतारू हो जाते हैं ? पिछले दिनों ग़ाज़ियाबाद के डासना स्थित मंदिर के महंत यति नरसिंहानंद ने बी बी सी की टीम को एक पूर्व निर्धारित इंटरव्यू दिया। महंत यति नरसिंहानंद का नाम मीडिया के द्वारा पहली बार तब प्रचारित किया गया था जब डासना स्थित उनके मंदिर के बाहर लगे एक प्याऊ पर गत वर्ष 11 मार्च को पानी पीने के कारण एक मुसलमान परिवार के आसिफ़ नामक बचे को बुरी तरह से पीटा गया था तथा उसका वीडियो वायरल किया गया था। इस घटना के बाद महंत ने कहा था कि उन्हें इस घटना पर कोई अफ़सोस नहीं है। यही महंत इन दिनों मुसलमानों के विरुद्ध सार्वजनिक रूप से ज़हर उगलते फिर रहे हैं। इन्होंने भारतीय मुसलमानों के विरुद्ध सशस्त्र संघर्ष छेड़ने का आह्वान कर भारत की पूरी दुनिया में काफ़ी बदनामी भी की है।

पिछले दिनों बीबीसी की टीम यति नरसिंहानंद की सहमति से उनसे समय तय करने के बाद हरिद्वार के सर्वानंद घाट पर उनका साक्षात्कार करने पहुँची। बीबीसी संवाददाता ने जब उनसे हरिद्वार में गत दिनों आयोजित धर्म संसद में मुसलमानों के ख़िलाफ़ नफ़रत भरी टिप्पणी करने से जुड़े विषय के बारे में पूछा गया तो वे भड़क उठे। उन्होंने अपने कोट में लगा माइक उतारकर फेंक दिया और ऊँची आवाज़ में अपशब्द बोलने लगे। मौक़े पर मौजूद यति नरसिंहानंद के समर्थकों ने बीबीसी पत्रकार व उनकी टीम के साथ मार पीट,गाली-गलौच और धक्का-मुक्की की। उन्होंने धमकियाँ दीं और पूरी टीम को काफ़ी देर तक जबरन रोके रखा। बी बी सी पत्रकार सहित इंटरव्यू लेने पहुंची पूरी टीम की तलाशी ली गई और उन्हें धमकाया गया कि वीडियो प्रसारित नहीं होना चाहिए। इस घटना के बाद बीबीसी ने यति नरसिंहानंद व उनके सहयोगियों के विरुद्ध पुलिस में 341 (ग़ैर-कानूनी तरीक़े से बलपूर्वक रोकना), 352 (बिना उकसावे के हमला), 504 (अपमान, गाली-गलौज, शांति भंग) और 506 (धमकी देना) जैसी अपराधिक धाराओं के अंतर्गत शिकायत दर्ज की गई। अब ज़रा इनके चरित्र इनकी बोल वाणी,इनकी भाषा इनके इरादों तथा देश की सामाजिक एकता के ताने बाने को छिन्न भिन्न करने के इनके इरादों पर ग़ौर कीजिये और उसी समय इस जैसे व्यक्ति व इसके साथियों की एक ज़िम्मेदार मीडिया संस्थान की टीम के साथ हिंसक बर्ताव करने के हौसले को भी देखिये तो साफ़ पता चलेगा कि इसके पास पत्रकार द्वारा पूछे गये सवाल का जवाब ही नहीं था।

अभी कुछ दिनों पूर्व उत्तर प्रदेश के एक उप मुख्य मंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भी बी बी सी पत्रकार को कुछ इसी अंदाज़ में अपमानित किया था। वहां भी हरिद्वार में आयोजित कथित धर्म संसद से जुड़े सवाल किये गये थे जिसे सुनकर केशव प्रसाद मौर्य असहज हो गये और झुंझलाहट में उन्होंने भी पत्रकार को बुरा भला कहते हुये अपने गले में पड़ा माइक उतार फेंका। इससे पूर्व 2007 में प्रसिद्ध पत्रकार करन थापर ने नरेंद्र मोदी का गुजरात के मुख्य मंत्री रहते हुए साक्षात्कार किया था। उस समय गुजरात में 2002 में भड़की मुस्लिम विरोधी हिंसा को लेकर सुप्रीम कोर्ट की एक टिप्पणी का ज़िक्र जैसे ही करन थापर ने किया उसी समय नरेंद्र मोदी असहज हो गये उन्होंने पानी मांगते हुए अपने गले में पड़ा माइक निकाल दिया और इंटरव्यू बीच में ही छोड़ दिया। बी बी सी की नवदीप धारीवाल और कभी एन डी टी वी के लिये काम कर चुके वरिष्ठ पत्रकार विजय त्रिवेदी के भी नरेंद्र मोदी के साथ साक्षात्कार के समय के लगभग ऐसे ही अनुभव हैं। शायद वास्तविक पत्रकारों द्वारा पूछे जाने वाले तीखे सवालों से बचने के लिये ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री बनने के बाद आजतक किसी तरह का संवाददाता सम्मलेन नहीं बुलाया। और यदि पत्रकारों के रूप में एक दो स्थापित किये गये विशेष लोगों ने प्रधानमंत्री से इंटरव्यू किया भी तो उनके सवालों का स्तर भी देश दुनिया ने ग़ौर से देखा कि -आप आम चूस के खाते हैं या काट कर? आप में यह फ़क़ीरी कहाँ से आती है वग़ैरह वग़ैरह। सवाल यह है स्वयं को धर्म व देश का नेता बताने व स्वयं को रणजीत बताने वाले इसतरह के लोग वास्तविक पत्रकारों के सवालों से लाजवाब होकर आख़िर रणछोड़ क्यों बन जाते हैं ?

सम्पादकीय

दोस्ती के बीच कोई दीवार नहीं होती

डा. वरिंदर भाटिया

इस साल गणतंत्र दिवस समारोह की शुरुआत नेताजी सुभाष चंद्र बोस जन्मदिन से शुरू हो जाएगी। अभी तक 24 जनवरी से गणतंत्र दिवस समारोह का औपचारिक आयोजन शुरू होता है। नेताजी सुभाष चंद्र बोस का जन्म 23 जनवरी 1897 को हुआ था। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार अब हर साल सुभाष चंद्र बोस की जयंती यानी 23 जनवरी से गणतंत्र दिवस समारोह की शुरुआत होगी। भारत में स्वतंत्रता संग्राम के महानायक और 'जय हिंद' का नारा देने वाले नेता जी सुभाष चंद्र बोस का जन्म 23 जनवरी 1897 को कटक में हुआ था। उनके जन्म को नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती के रूप में मना कर उन्हें याद किया जाता है। साथ ही उन्हें श्रद्धांजलि भी दी जाती है। गौरतलब है कि राजनेता और बुद्धिजीवी नेताजी को भारतीय राजनीतिक व्यवस्था में उनके खास योगदान के लिए जाना जाता है। सुभाष चंद्र बोस की जिंदगी से जुड़ी अहम बातें जानना सामयिक और ज्ञानवर्धक है। यह राष्ट्र के युवाओं के लिए खास तौर पर प्रेरणादायक भी है। सुभाष चंद्र बोस स्वामी विवेकानंद को अपना आध्यात्मिक गुरु मानते थे। उन्होंने आजाद हिंद फौज का गठन किया था, जो अंग्रेजों का मुकाबला करने के लिए बनाई गई एक सैन्य रेजिमेंट थी। बोस ने आज़ाद हिंद फौज की स्थापना के साथ एक महिला बटालियन भी गठित की थी जिसमें उन्होंने रानी झांसी रेजिमेंट का गठन किया था। महात्मा गांधी को राष्ट्रपिता की उपाधि सबसे पहले बोस ने ही दी थी। जानकारी के अनुसार उन्होंने साल 1944 में रेडियो पर गांधी जी को राष्ट्रपिता कहा था।

नेताजी ने लाखों युवाओं को आजादी के संघर्ष में शामिल होने के लिए प्रेरित किया था। नेताजी ने मैट्रिक परीक्षा में दूसरा और भारतीय सिविल सेवा (आईसीएस) परीक्षा में चौथा स्थान हासिल किया। उन्होंने अपनी आईसीएस की नौकरी छोड़ दी और साल 1921 में भारत के स्वतंत्रता संग्राम में शामिल होने के लिए इंग्लैंड से भारत वापस आ गए थे। जानकारी के मुताबिक नेताजी ने कहा था कि स्वतंत्रता पाने के लिए अंग्रेजों के खिलाफ युद्ध छेड़ना जरूरी है। स्वाधीनता संग्राम के लगभग अंतिम 2 दशकों के दौरान उनकी भूमिका एक सामाजिक क्रांतिकारी की रही थी। सुभाष चंद्र बोस ने अहिंसा और असहयोग आंदोलनों से प्रभावित होकर 'भारत छोड़ो आंदोलन' में अहम भूमिका निभाई। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान सुभाष चंद्र बोस की सराहना हर तरफ हुई। देखते ही देखते वह एक महत्त्वपूर्ण युवा नेता बन गए। 'तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा', ये उनका बहुचर्चित नारा बना। उन्होंने जर्मनी में भारतीय स्वतंत्रता संगठन और आज़ाद हिंद रेडियो की स्थापना की। 29 मई 1942 के दिन सुभाष चंद्र बोस जर्मनी के सर्वोच्च नेता एडॉल्फ हिटलर से मिले। लेकिन हिटलर को भारत के विषय में विशेष रुचि नहीं थी। उन्होंने सुभाष चंद्र बोस को सहायता का कोई स्पष्ट वचन नहीं दिया।

मास्को से जर्मनी गए। हिटलर से मिले और हिटलर से दस्ताना उतारकर हाथ मिलाने को कहा, कहा कि दोस्ती के बीच कोई दीवार नहीं आनी चाहिए, और आगे के मिशन के लिए मदद मांगी। कई साल पहले हिटलर ने 'माईन काम्फ' नामक आत्मचरित्र लिखा था। इस किताब में उन्होंने भारत और भारतीय लोगों की बुराई की थी। इस विषय पर सुभाष चंद्र बोस ने हिटलर से अपनी नाराजगी व्यक्त की। हिटलर ने अपने किए पर माफी मांगी और माईन काम्फ के अगले संस्करण में वह परिच्छेद निकालने का वचन दिया।

जलवायु परिवर्तन समझौते और वर्तमान स्थिति

नेट जीरो उत्सर्जन का अर्थ है कि हरित प्रभाव गैसों का उत्सर्जन उतना ही होगा जितनी मात्रा में हरित प्रभाव गैसों का उत्सर्जन कुछ अन्य गतिविधियों द्वारा घटा लिया गया है। इसे जलवायु तटस्थ या कार्बन तटस्थ स्थिति भी कहा गया है। देशों ने अपने लक्ष्य स्वयं निर्धारित किये हैं फिर भी ट्रम्प प्रशासन के अंतर्गत अमेरिका ने समझौते से किनारा कर लिया था हालांकि अब बाईडन प्रशासन ने फिर समझौते को मान्यता दे दी है। पेरिस समझौता आर्थिक, तकनीकी और क्षमता निर्माण के लिए ढांचा बनाने की व्यवस्था करता है ताकि समझौते की पूर्ति के लिए जरूरत मंद देशों को सहायता दी जा सके।

कुलभूषण उपमन्यु

वैश्विक स्तर पर जलवायु परिवर्तन से पैदा हुए खतरों से दुनिया परिचित हो चुकी है। आज यह कोई वैज्ञानिक भविष्यवाणी मात्र न रह कर एक सच्चाई की तरह विभिन्न प्राकृतिक दुर्घटनाओं के रूप में सामने आ रही है।

बाढ़, सूखा, समुद्री तूफ़ान, अंधड़, बेमौसमी बर्फबारी, ग्लेशियर पिघलने के कारण आसन्न जल संकट जैसे कितने ही बदलाव दृष्टि गोचर हो रहे हैं। समुद्री तटों से लगते इलाके और देश, बढ़ते समुद्र तल के कारण डूबने के खतरे में घिर सकते हैं। इन खतरों के मद्देनजर संयुक्त राष्ट्र संघ लगातार पहल कर रहा है। संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन फ्रेमवर्क सम्मेलन इस दिशा में आधारभूत सम्मेलन है। 1992 में इस सम्मेलन के निष्कर्षों पर 197 देशों ने हस्ताक्षर किए और 21 मार्च 1994 से इस समझौते को लागू माना गया।

इस समझौते की मूल बात यह है कि इसके द्वारा यह माना गया कि जलवायु परिवर्तन एक समस्या है और इसके समाधान के लिए कुछ किया जाना चाहिए। जिसका मूल कारक हरित प्रभाव गैसें हैं जो वैश्विक तापमान वृद्धि का कारण हैं। ये गैसें उर्जा उत्पादन के लिए मुख्यतः कोयला या खनिज तेल जलाने के कारण पैदा हो रही हैं और वातावरण में जमा हो रही हैं। इसी वृद्धि से जलवायु परिवर्तन हो रहा है। इस समझौते द्वारा विभिन्न पक्षों से यह अपेक्षा की गई कि वे हरित-प्रभाव-गैसों के मानव-जनित उत्सर्जन को इस सीमा के भीतर नियंत्रित करेंगे जिससे जलवायु तन्त्र पर खतरनाक प्रभाव न पड़े।

विकासशील देशों में खासकर और वैश्विक स्तर पर आमतौर पर टिकाऊ आर्थिक विकास पर बल देने की बात की गई। इस दिशा में विकासशील देशों की उपलब्धि व प्रदर्शन को विकसित देशों द्वारा तकनीक हस्तान्तरण और आर्थिक सहायता से जोड़ा गया। इस समझौते में सभी देशों द्वारा हरित प्रभाव गैसों के उत्सर्जन की मात्रा की घोषणा करने और विकसित देशों द्वारा हरित प्रभाव गैसों के उत्सर्जन को कम करने से संबंधित नीतियों की घोषणा करने की भी अपेक्षा की गई। इसके बाद लगातार सम्मेलन होते रहे जिन्हें संबंधित पक्ष सम्मेलन कहा गया।

इन सम्मेलनों में क्योटो सम्मेलन पहला महत्वपूर्ण सम्मेलन है जहां क्योटो प्रोटोकोल पर हस्ताक्षर हुए। इस प्रोटोकॉल द्वारा पहली बार संयुक्त राष्ट्र संघ जलवायु परिवर्तन फ्रेमवर्क सम्मेलन के आशयों को लागू करने के लिए नियम बनाए गए। रूस द्वारा मान्यता देने के बाद 2005 में इसे लागू माना गया। किन्तु हरित गैसों के उत्सर्जक बड़े देश अमेरिका ने इस प्रोटोकोल को मान्यता नहीं दी क्योंकि विकासशील देश होने के कारण पहले दर्जे के हरित गैस उत्सर्जक चीन और तीसरे दर्जे के उत्सर्जक भारत पर कोई नियन्त्रण इस प्रोटोकॉल में नहीं सुझाए गए थे।

जलवायु परिवर्तन फ्रेमवर्क सम्मेलन में यह अपेक्षा की गई थी कि जलवायु परिवर्तन की प्रक्रिया को उस स्तर के भीतर रोकना होगा जिससे परिस्थिति तंत्र स्वयं को जलवायु परिवर्तन के अनुकूल ढाल सके और टिकाऊ विकास और कृषि उत्पादन पर घातक प्रभाव न पड़े। इस प्रोटोकॉल में 37 औद्योगिक देशों के लिए उत्सर्जन कम करने के लक्ष्य निर्धारित किए गए। 1990 के स्तर से 5त्न उत्सर्जन कम करने का लक्ष्य रखा गया। अमेरिका ने इसे भेदभाव पूर्ण मानते हुए इसे मान्यता नहीं दी, अन्य 184 देशों ने इसे मान्यता दे दी। विकासशील देशों के लिए कोई लक्ष्य इस तर्क पर निर्धारित नहीं किया गया कि जिन विकसित देशों ने जलवायु को पहले ही अधिक नुकसान पहुंचाया है, उन्हें पहल करनी चाहिए। उत्सर्जन कम करने के लक्ष्य की पूर्ति न करने पर आर्थिक दंड का भी प्रावधान किया गया।

> इस लक्ष्य की घोषणा हो ताकि एक शुरुआत हो और आगे चल कर विस्तृत, विशिष्ट समझौते किए जा सकें। इसमें जलवायु के सन्दर्भ में साझी किन्तु जिम्मेदारियों के सन्दर्भ में अलग-अलग जिम्मेदारियों की संकल्पना की गई। जिसका अर्थ यह है कि विकासशील देशों से यह उम्मीद की जाती है कि वे जलवायु परिवर्तन रोकने में योगदान करेंगे किन्तु विकसित देश जलवायु परिवर्तन रोकने के लिए पहलकदमी करेंगे क्योंकि ये देश ऐतिहासिक रूप से पहले ही बहुत ज्यादा हरित-प्रभाव-गैसों का उत्सर्जन कर चुके हैं।

पेरिस समझौता इस कड़ी में सबसे महत्वपूर्ण है। इसमें सभी देशों को अपने अपने उत्सर्जन स्तर में कमी करने के वादे दायर करने का प्रावधान है। इसे राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान कहा गया है। हर 5 वर्ष में इसका पुनरावलोकन व आकलन करने की वैश्विक स्तर पर

व्यवस्था है। यह समझौता 2015 में किया गया। इसमें तापमान वृद्धि को औद्योगिक क्रांति के समय के तापमान से 2 डिग्री सेंटीग्रेड के नीचे रोकने का लक्ष्य रखा गया है। कोशिश यह करनी है कि तापमान वृद्धि 1.5 डिग्री सेंटी. से कम पर ही रुक जाए। वैश्विक स्तर पर नेट जीरो उत्सर्जन स्तर 2050 तक हासिल करना है।

इसी कड़ी में जलवायु परिवर्तन से संबंधित पक्षों का 26 वां सम्मेलन ग्लास्गो यूके में 31 अक्तूबर से 12 नवंबर 2021 तक संपन्न हुआ। जिसमें पेरिस समझौते के लक्ष्यों तक पहुंचने और समय पर इन लक्ष्यों को हासिल करने की दिशा में निर्णय लिए। 153 देशों से नेट जीरो उत्सर्जन स्तर हासिल करने के वादे प्राप्त हुए। इसमें मुख्य चार लक्ष्यों पर निर्णय लिए गए-

1. न्यूनीकरणः- हरित प्रभाव गैसों के उत्सर्जन को 2030 तक नेट जीरो लक्ष्य प्राप्त करके कम करने के वादे किए गए। अलग-अलग देशों ने इसमें छूट लेते हुए समय सीमा को बढ़ा कर भी घोषित किया। कुछ ने 2040 तक, कुछ ने 50 तक और भारत ने 2070 तक नेट जीरो उत्सर्जन स्तर हासिल करने का वादा किया।

2. अनुकूलनः- जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का सामना करने के प्रयासों को बढ़ावा देने का निर्णय हुआ। 80 देश अनुकूलन योजनाओं में सम्मिलित हो गए हैं। जलवायु परिवर्तन जनित प्रमुख प्रभावों का समाधान ढूँढ़ने की व्यवस्था होगी। जलवायु प्रभावों से निपटने के लिए आर्थिक व्यवस्थाओं की योजना भी बना ली गई है।

3. आर्थिक सहयोगः- विकसित देशों ने हरित प्रभाव गैसों के उत्सर्जन को कम करने के लिए विकासशील देशों को आर्थिक सहायता देने के लिए 2023 तक 100 बिलियन डालर फंड इकट्ठा करने की दिशा में प्रगति की है। 34 देशों और 5 वित्तीय संस्थाओं ने खनिज इंधन से बिजली बनाने की परियोजनाओं को आर्थिक सहायता बंद करने का निर्णय लिया है। उत्सर्जन कम करने और अनुकूलन गतिविधियों को पर्याप्त आर्थिक सहयोग संभव बनाने के लिए 2025 तक 500 बिलियन डालर फंड इकट्ठा करने का लक्ष्य निर्धारित हुआ है।

4. सहयोगः- सरकारों के बीच स्वच्छ हरित उर्जा, विद्युत् चालित वहन, जहाजरानी, शून्य उत्सर्जन स्टील निर्माण, हाइड्रोजन फ्यूल आदि क्षेत्रों में तकनीकी और आर्थिक सहयोग द्वारा जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने पर सहमति बनी है।

इस समय चीन 27% उत्सर्जन द्वारा पहले स्थान पर, अमेरिका 11% उत्सर्जन द्वारा दूसरे स्थान पर और भारत 6.5% उत्सर्जन द्वारा तीसरे

स्थान पर हैं। ये तीनों देश कितनी गंभीरता से इस मुद्दे को लेते हैं उसी पर बहुत हद तक जलवायु परिवर्तन त्रासदी से निपटने के प्रयासों की सफलता निर्भर होगी। हालांकि भारत ने सौर उर्जा और विद्युत् चालित वाहनों को बढ़ावा देने की दिशा में अच्छी प्रगति के संकेत दिए हैं, उसकी उपलब्धि भी सराहनीय है, किन्तु नेट जीरो के मामले में 2070 का लक्ष्य थोड़ा हैरान करने वाला है। आशा की जाती थी कि भारत इससे बेहतर पहल कर सकता। शायद चीन और भारत मिल कर सलाह करके आपसी समझ उत्सर्जन कम करने के लिए विकसित करें तो बेहतर परिणामों की उम्मीद की जा सकती है।

बक्सर का युद्ध

19 जनवरी 1732 को अवध के नवाब शुजाउद्दौला की पैदाइश दिल्ली मे हुई।

पानीपत की तीसरी जंग में शुजाउद्दौला ने पूर्व मुग़ल सेनापति नजीब-उद-दौला के साथ मिलकर मुग़ल सेना को लीड किया था। इस जंग में अहम भूमिका निभाई थी।

शुजाउद्दौला ने इमाद-उल-मुल्क को मुग़ल दरबार से बाहर किया था जो मराठा सेनापति सदाशिवराव भाऊ के समर्थन से मुग़ल दरबार मे कब्ज़ा कर रखा था। इमाद-उल-मुल्क ने बादशाह अहमदशाह बहादुर की हत्या कर दी थी और उनके परिवार और बेटों पर अत्याचार करने लगा था जिसकी वजह से शाहज़ादा अली गौहर ने शुजाउद्दौला से मदद मांगी।

1764 में शुजाउद्दौला ने मीर क़ासिम, मुग़ल बादशाह शाह आलम और बनारस के राजा बलवंत सिंह के साथ मिलकर अंग्रेजों के ख़िलाफ़ बक्सर का युद्ध लड़ा। बक्सर की जंग शरू होते ही मीर क़ासिम, शाह आलम और राजा बलवंत सत्ता जाने के डर से तीनों जंग से पीछे हट गए शुजाउद्दौला जंग में अकेले रह गए जिन्हें हार के बाद अंग्रेजों से सन्धि करनी पड़ी।

हार के बाद अंग्रेजों और शुजाउद्दौला के बीच इलाहाबाद में सन्धि हुई इस सन्धि के तहत चुनार ग़ाज़ीपुर इलाहाबाद बनारस अंग्रेजों के अधीन हो गया। अंग्रेजों ने इलाहाबाद का किला शाह आलम को दे दिया बनारस राजा बलवंत के पास ही रहा ग़ाज़ीपुर और चुनार को अंग्रेजों ने अपनी सेना की छावनी बना ली।

इस जंग के बाद शुजाउद्दौला की ताक़त खत्म हो गयी जो उस वक़्त मराठों के बाद हिंदुस्तान में दूसरी सबसे बड़ी ताक़त थी।

स्मृति शेषः कथक सम्राट बिरजू महाराज

डॉ. दिलीप अग्निहोत्री

भारतीय संगीत की अनेक विधाएं हैं।

इसमें कथक नृत्य का विशेष महत्व है। इसके साथ किसी कलाकार का नाम सदा सर्वदा के लिए जुड़ना विलक्षण होता है। पद्म विभूषण पंडित बिरजू महाराज को इसका गौरव हासिल हुआ। देश-विदेश में जब भी कथक की चर्चा होगी उनका नाम सम्मान के साथ लिया जाएगा। बचपन में ही उन्होंने कथक की साधना प्रारंभ की थी। आजीवन इसके प्रति समर्पित रहे।

कथक उनके जीवन में रच-बस गया था। उनकी सामान्य वार्ता में भी गजब की भाव-भंगिमा हुआ करती थी। नृत्य की बात तो अलग है। उनमें हथेलियों की भाव-भंगिमा से अभिव्यक्त की अद्भुत क्षमता थी। ऐसा करते समय वह एक शब्द भी बोलते नहीं थे। हथेलियों से सब कुछ समझा देते है। भोर होना, चिड़ियों की उड़ान,उनके द्वारा अपने बच्चों तक दाना पहुंचना, फूलों का खिलना आदि सब हथेलियों के माध्यम से जीवंत हो जाता है। इसी प्रकार वह नृत्य किये बिना ही अनेक दृश्यों को साकार कर देते थे। इसमें वीर रस से लेकर श्रृंगार रस के प्रसंग भी होते थे। नृत्य में यंत्रवत प्रदर्शन। सब कुछ नपा तुला। साथ में भावनाओं की अभिव्यक्ति।

उनके चाहने वालों में एक साथ कई पीढ़ी के लोग थे। उन्होंने तेरह वर्ष की अवस्था में ही कथक में महारथ हासिल की थी। उस दौर में भारतीय संगीत बहुत लोकप्रिय हुआ करता था। बिरजू महाराज ने उस समय अपना विशिष्ट मुकाम बनाया था। पाश्चात्य संगीत का प्रभाव बढ़ने के बाद भी उनकी लोकप्रियता कायम रही। वर्तमान पीढ़ी में भी उनकी पसंद करने वाले कम नहीं है। उन्होंने सत्यजीत राय की फिल्म शतरंज के खिलाड़ी में संगीत दिया। इस फिल्म के दो गानों के नृत्य पर गायन किया था। करीब दस वर्ष पहले बनी फिल्म देवदास के गाने-

काहे छेड़ छेड़ मोहे

का नृत्य संयोजन किया था। फ़िल्म डेढ़ इश्किया उमराव जान, बाजी राव मस्तानी में भी कथक नृत्य का निर्देशन किया था। करीब सात वर्ष पहले फ़िल्म बाजीराव मस्तानी के गाने मोहे रंग दो लाल के नृत्य निर्देशन के लिये उन्हें फ़िल्मफ़ेयर पुरस्कार

मिला था। इसके पहले उन्हें पद्म विभूषण संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार तथा कालिदास सम्मान आदि अनेक सम्मान प्राप्त हुए थे। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय एवं खैरागढ़ विश्वविद्यालय से डॉक्टरेट की उपाधि मानद मिली थी।

भारतीय शास्त्रीय संगीत में लखनऊ घराने के विशेष महत्व है। कथक सम्राट पद्मविभूषण बिरजू महाराज ने इसे बुलंदियों पर पहुंचाया। लखनऊ के विद्यांत शिक्षण संस्थान का नाम आते ही वह भावुक हो जाते। बिरजू महाराज ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा यहीं से ग्रहण की थी। उन्होंने एक बार स्वयं बताया था कि बचपन से ही शिक्षा के संगीत में उनकी गहरी रुचि थी। क्लास और स्कूल में भी मौका मिलने पर वह नाचते थे। विद्यांत स्कूल के बाहर के दुकानदारों तक उनके विलक्षण हुनर की चर्चा पहुंच गई थी। होनहार विरवान के होत चिकने पात।

बिरजू महाराज ने बताया था कि उन्हें पतंग उड़ाने का शौक था। वह स्कूल के बाहर पतंग लेने जाते थे। वहां लोग उनके नृत्य के मुरीद थे। फरमाइश होने लगती थी। उनके नन्हे कदम थिरकने लगते थे। दुकानदार उन्हें बिना पैसा लिए पतंग दे दिया करते थे। बिरजू महाराज को सब याद था। अक्सर वह लखनऊ आते थे। एक बार मुलाकात में उनसे विद्यांत स्कूल की चर्चा छेड़ी, ऐसा लगा जैसे वह अपने बचपन में लौट गए हो। जब वह नृत्य के बदले पतंग ले लिया करते थे। तब किसी को यह कल्पना नहीं रही होगी कि यह बालक कथक के शिखर पर आसीन होगा।

बिरजू महाराज के देश में अनगिनत शिष्य हैं। देश के अनेक हिस्सों में जाकर वह शिष्यों और कथक कलाकारों की नृत्य की बारीकियां समझते रहे। लखनऊ का कालिका बिन्दादिन ड्योढ़ी में कत्थक का केंद्र था। बिरजू महाराज के दो चाचा व ताऊ, शंभु महाराज एवं लच्छू महाराज भी कथक के साधक थे। उनके पिता अच्छन महाराज थे। जिन्होंने बिरजू महाराज को संगीत शिक्षा दी। बिरजू महाराज ने कथक नृत्य में नए रंग जोड़े। इन्होंने पन्द्रह सौ से अधिक ठुमरियों का कम्पोजिशन किया। लखनऊ घराना कथक नृत्य शैली में छोटे टुकड़ों का महत्व होता है। नृत्य के बोलों के अतिरिक्त पखावज की परने और परिमलु के बोल भी नाचे जाते हैं। बिरजू महाराज ने इन सभी को नए रूप में सँवारा। उनको आकर्षक बनाया। वह अनवरत इस साधना में लगे रहे।

उनका जन्म 4 फ़रवरी, 1938 को लखनऊ के कालका बिन्दादीन घराने में हुआ था। पहले उनका नाम दुखहरण रखा गया था। लेकिन यह नाम जमा नहीं। इसलिए उनका नाम बृजमोहन नाथ मिश्रा रखा गया। लेकिन यह नाम भी उनके साथ जुड़ नहीं सका। वह देश दुनिया में बिरजू मगराज के नाम से ही प्रख्यात हुए। इनके पिता का नाम जगन्नाथ मिश्र थे। वह भी अच्छन महाराज के नाम से संगीत जगत में विख्यात थे। अच्छन महाराज ने ही सर्वप्रथम अपने इस पुत्र की प्रतिभा को पहचाना था। वह इनके प्रथम संगीत गुरु थे। उन्होंने संगीत दीक्षा प्रारंभ की थी। बिरजू महाराज जब नौ वर्ष के थे तभी पिता अच्छन महाराज का निधन हो गया। उनकी मृत्यु के बाद उनके चाचा शंभू महाराज व और लच्छू महाराज ने इस दायित्व का निर्वाह किया। इन्होंने गोवर्धन लीला, माखन चोरी, मालती माधव, कुमार संभव व फाग बहार इत्यादि की रचना की। तबला, पखावज, ढोलक, नाल और तार वाले वाद्य वायलिन, स्वर मंडल व सितार आदि में भी वह पारंगत थे।

बीस-बाइस वर्ष पूर्व उन्होंने संगीत समारोहों में सक्रियता कम कर दी थी। लेकिन संगीत से अलग होना इनके लिए संभव ही नहीं था। उन्होंने संगीत भारती, भारतीय कला केंद्र में अध्यापन किया। दिल्ली के कथक केंद्र के प्रभारी भी रहे। इन्हें प्रसिद्ध कालिदास सम्मान, सोवियत लैंड नेहरू अवार्ड एसएनए अवार्ड व संगम कला अवार्ड भी प्राप्त हुआ था।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI NO. DELHIN38334, E-mail:gauravashalibharat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

बाबा गौरव भैरव अघोरी ने किया आवाहन जो राम को लाए हैं हमें उन को लाना होगा

लखनऊ। गुवाहाटी मातृ पीठ कामाख्या मंदिर से आए मां तारा पुत्र गौरव भैरव अघोरी बाबा जो इस समय इटावा तपोभूमि इष्टकापुरी मैं अपने अघोर साधना में रत हैं इन्होंने आज से पहले भी कोरैना काल के महा संकट में कामाख्या मंदिर में 21 माह मौन रहकर महा विधान किया था परम पूज्य गुरुदेव गौरव बाबा अघोरी बाबा जी यह आवाहन किया है कि जो राम को लाए हैं हमें उन को लाना चाहिए जो सनातन संस्कृति की रक्षा कर रहा है धर्म स्थापना कर रहा है उसकी सरकार बननी चाहिए।

राष्ट्रीय युवा वाहिनी परिवार के द्वारा प्रत्येक वर्ष 101 कन्याओं की शादी कराई जाती है

आर एल पाण्डेय, लखनऊ। राष्ट्रीय युवा वाहिनी परिवार के द्वारा प्रत्येक वर्ष 101 कन्याओं की शादी कराई जाती है इस महीने में 1 जनवरी को 10 शादियां कराई जा चुकी हैं 20 तारीख को 5 शादियां पुन: कराई जाएंगी जो भी भाई सहयोग करना चाहता है सहयोग कर सकता है। उक्त जानकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष राष्ट्रीय युवा वाहिनी हिंदू देव प्रकाश शुक्ला ने दी।

बोले सभासद चहेतों को कभी-कभार मिल रही लकड़ी

माधौगढ़ नगर पंचायत के सभासद संजय कुमार गुप्ता एवं गजेन्द्र सिंह शिवहरे का कहना है कि शाम के समय नगर पंचायत की गाड़ी लकड़ी लेकर आती है और नगर में चहेते लोगों को लकड़ी देकर अलाव जलवा रही है। वहीं सुबह किसी भी तरह से अलाव नहीं जल रहे हैं क्योंकि शाम को बंटने वाली लकड़ी सुबह के लिए बचती ही नहीं है। शाम को जो लकड़ी आती है वह इतनी गीली आती है कि उसका जलना बड़ा ही मुश्किल रहता है।

जयहिंद नेशनल पार्टी का जनता दल (यू.) जे.डी.यू.पार्टी से सार्थक राजनीतिक भेंटवार्ता

लखनऊ। जयहिंद नेशनल पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष, डॉ.आशीष श्रीवास्तव जी के कुशल नेतृत्व में सौहार्दपूर्ण सम्पर्क अभियान जारी रखते हुए पार्टी ने माननीय के.सी. त्यागी (प्रमुख राष्ट्रीय महासचिव एवं प्रभारी,श्र.क.न.उत्तरप्रदेश),मा. अनूप पटेल (प्रदेश अध्यक्ष),एवं प्रो.के.के.त्रिपाठी (प्रदेश महासचिव) से लखनऊ में राजनीतिक भेंटवार्ता की। इस दौरान 'जयहिंद नेशनल पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. राजीव मिश्रा ' एवं 'राष्ट्रीय संयोजक,(प्रबंधन समिति) 'प्रदीप कुमार जायसवाल ' भी उपस्थित रहे। माननीय डॉ.आशीष श्रीवास्तव ' ने विभिन्न 'सामाजिक-आर्थिक-राजनीतिक विषयों पर गंभीरता पूर्वक चर्चा करते हुए आगामी चुनाव 2022 के मद्देनजर कार्य-योजनाओं और पार्टी के उद्देश्यों एवं महत्वपूर्ण विचारों को साझा किया और विशेषकर उत्तरप्रदेश की वर्तमान राजनीतिक परिवेश पर भी विश्लेषण किया गया। श्री त्यागी जी,मा. पटेल जी,प्रो.त्रिपाठी जी एवं अन्य सहयोगियों ने बहुत तन्मयता से पार्टी के विचारों को सुना। जयहिंद नेशनल पार्टी और जनता दल यूनाइटेड उत्तर प्रदेश चुनाव में अपना पूरा दम खम लगाएगी और एक दूसरे का सहयोग एवं समर्थन देगी। अंतत: पार्टी के उज्जवल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित किया गया।

बाग में ले जाकर 2 लोगों को जिंदा जलाया

- कोतवाली से महज एक किमी दूर पर दिया दुस्साहसिक घटना को अंजाम
- मौके एएसपी, सीओ सहित भारी पुलिस बल मौजूद
- नर्मदा स्थल से करीमनगर मार्ग पर असद के बाग की घटना
- प्रथम दृष्टया हत्या की आशंका

संवाददाता

शाहाबाद (हरदोई)। दिनदहाड़े दो नवयुवकों को अल्टो कार में जलाकर मार दिया गया।घटना से क्षेत्र में दहशत पैदा हो गई है।

प्राप्त विवरण के अनुसार मोहल्ला शंभा बाजार का एक युवक और उसका एक पड़ोसी मंगलवार की शाम से गायब है।बुधवार को कोतवाली से महज एक किलोमीटर दूर एक बाग में जली हुई आल्टो कार में 2 शव बरामद होने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। भारी संख्या में पुलिस बल के साथ एएसपी दुर्गेश कुमार और सीओ विशाल यादव फारेंसिक टीम के साथ मौके पँहुचे।

एक साथ कार में दो लोगों के जलाए जाने की घटना से पुलिस महकमे के पसीने छूट गए। वहीं मोहल्ला बाजार संभा के एक युवक ने पुलिस को सूचना दी कि उसका भाई अपने पड़ोसी के साथ गायब है।फिलहाल पुलिस घटना को गम्भीरता से लेकर जांच कर रही है।बाजार शंभा निवासी अमित कुमार वर्मा पुत्र अशोक कुमार वर्मा ने पुलिस अधिकारियों को बताया कि उसका भाई आदित्य कुमार उर्फ आनन्द वर्मा अपने पड़ोसी निर्मल मिश्र के साथ मंगलवार को 4 बजे रौजा फैक्ट्री के लिये गया था।शाम 7 बजे से उसका मोबाइल बन्द जा रहा था।तो उसने निर्मल शर्मा के फोन पर रात 7 बजे के बाद बात की थी।तब वह डरा व सहमा हुआ था।उसके बाद उसका मोबाइल बन्द हो गया।अमित ने निर्मल शर्मा से बात की तो बताया कि वह ढाबा पर खाना खा रहे हैं।

लेकिन उसके बाद कोई जानकारी नही मिल सकी।बुधवार को वह रौजा फैक्ट्री गया वहाँ उसका भाई ड्यूटी पर नही गया था। पुलिस पूरा विवरण जुटाने का प्रयास कर रही है।अभी तक घटना का रहस्य बना हुआ है।

भारतीय विदेश मंत्रालय पड़ोसी देशों के युवाओं के लिए शुरू किया फेलोशिप प्रोग्राम

भारतीय विदेश मंत्रालय के सहयोग से सेंट स्टीफंस कॉलेज ने मंगलवार को यंग लीडर्स, नेबरहुड-फर्स्ट फेलोशिप प्रोग्राम की शुरुआत की है। वसुधैव कुटुम्बकम की भावना को ध्यान में रखकर हुए शुरू किया गया यह प्रोग्राम दक्षिण एशिया में पड़ने वाले मित्र देशों के योग्य और पेशेवर छात्र कक्षा में बातचीत और यात्रा अध्ययन के माध्यम से पब्लिक पॉलसी पढ़ पाएंगे।

यंग लीडर्स, नेबरहुड-फर्स्ट फेलोशिप प्रोग्राम का पड़ोसी देशों के युवा पेशेवरों को मिलेगा लाभ।

इस बारे नेपाल स्थित भारतीय दूतावास ने ट्वीट कर कहा भारतीय विदेश मंत्रालय द्वारा समर्थित सेंट स्टीफन कॉलेज, नई दिल्ली ने भारत सरकार के भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग कार्यक्रम के तहत सार्वजनिक नीति और प्रशासन वाले युवा नेपाली पेशेवरों के लिए सेंट स्टीफन यंग लीडर्स नेबरहुड-फर्स्ट फेलोशिप (वाईएलएनएफ) लॉन्च किया है। इस प्रोग्राम का उद्देश्य दक्षिण एशियाई देशों के युवाओं की मदद करना है। जिससे वह भारत में रहकर अपने-अपने क्षेत्रों में सर्वश्रेष्ठ शिक्षकों, नेताओं और पेशेवरों के माध्यम से सर्वोत्तम प्रथाओं को सीखकर अपने-अपने देशों में स्थितियों और मुद्दों का समाधान कर सकें। सेंट स्टीफंस फेलोशिप बांग्लादेश, भूटान, नेपाल, म्यांमार, मालदीव और श्रीलंका की सरकारों में युवा पेशेवरों को प्रदान की जाती है। यह प्रोग्राम एक संरचित कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं के ज्ञान को बढ़ाने, नेटवर्क का विस्तार करने, कौशल को बढ़ाने और प्रशासनिक क्षमता को बढ़ाने का कार्य करता है।

44 वर्ष से कोई महारथी नहीं तोड़ पाया रिकार्ड

संवाददाता

सीतापुर। विधान सभा क्षेत्र सिधौली अनुसूचित जाति के लिए सुरक्षित सीट है। यह सीट मोहनलालगंज संसदीय क्षेत्र में आती है। इस सीट पर 1957 में पहली बार चुनाव हुआ था। कांग्रेस के तारा चंद्र माहेश्वरी पहले विधायक बने थे।

सिधौली विधान सभा क्षेत्र में चुनाव की शुरुआती से देखें तो यहां सबसे अधिक मतों के अंतर से जीतने वाले विधायक श्याम लाल रावत ही हैं। वर्ष 1993 से अब तक करीब 44 साल हो गए हैं, श्याम लाल रावत के रिकार्ड को कोई श्महारथीश् अब तक तोड़ने में कामयाब नहीं हुआ है। पिछले चुनावों के अतीत में पता चलता है कि कांग्रेस के टिकट पर 1969 और 1974 में लगातार दो बार श्यामलाल रावत विधायक बने। 1977 में जनता पार्टी ने इस सीट पर कब्जा किया और गणेश लाल चौधरी यहां से विधायक बने। 1980 में पहली बार भाजपा ने इस सीट पर जीत दर्ज की और रामलाल विधायक बने। 1985 में रामलाल ने कांग्रेस से विधायक बने। इसके बाद फिर से 1989 में जनता दल के टिकट पर श्यामलाल रावत ने बाजी मारी और विधायक चुने गए थे। 1991 में जनता पार्टी के टिकट पर भी जीत दर्ज की। 1993 के चुनावों के पहले श्यामलाल साइकिल पर सवार हुए और 93 से लेकर 2002 तक विधायक बने रहे। 2007 में डा. हरिगोविद भार्गव ने श्यामलाल को हराया। 2012 में इस सीट पर समाजवादी पार्टी के मनीष रावत ने कब्जा जमाया। 2017 के चुनाव में बसपा के डा. हरिगोविद भार्गव फिर दूसरी बार विधायक बने। 2017 के चुनाव में बसपा के डा. हरगोविद भार्गव को 78,506 और समाजवादी पार्टी के मनीष रावत को 75,996 वोट मिले थे। विधान सभा क्षेत्र में चुनावों की शुरूआत से अब तक देखा जा रहा हैं।

सर्दी से बचाव के लिए गरीबों को कंबल वितरण

कानपुर। सर्दी के मौसम में गरीब महिलाओ को राहगीरों को सर्दी से बचाव के लिए कंबल वितरण किए गए!

वार्ड 36 पार्षद प्रत्याशी रियास बबलू के नेतृत्व में अजीतगंज आवास पर गरीब राहगीरों को सर्दी से बचाव के लिए कंबल वितरण किए गए! निवास पर जरूरतमंद सैकड़ों महिलाओं को कमल वितरण किया जिसमें मुख्य अतिथि महानगर अध्यक्ष डॉक्टर इमरान रहे व सभी महिलाओं को समाजवादी सदस्यता ग्रहण कराई गई कार्यक्रम में उपस्थित रहे! महानगर अध्यक्ष डॉक्टर इमरान केंट 216 अध्यक्ष मुनाफ उद्दीन पार्षद प्रत्याशी वार्ड नंबर 36 मोहम्मद रियाज बबलू वार्ड 36 के अध्यक्ष इरशाद नेता वार्ड 80 के अध्यक्ष अकील उर्फ बल्लू वार्ड 36 प्रभारी यासमीन बानो वार्ड 36 महिला प्रभारी सबिया खातून उर्फ सब्बू अकील उर्फ गुड्डू समीम बबलू वरिष्ठ समाजवादी अंसार हांडा पूर्व नगर उपाध्यक्ष अल्पसंख्यक सभा जाहिद भाई रेहान भाई वह सभी सम्मानित गण मौजूद रहे!

महासमर पेज चौकस रखें स्कूली वाहनों की फिटनेस, चुनाव में होगा इस्तेमाल

संवाददाता

लखीमपुर। कलेक्ट्रेट में डीएम महेंद्र बहादुर सिंह ने सोमवार को कहा कि आने वाले चुनाव में स्कूली वाहनों का इस्तेमाल किया जाना है और वैक्सीनेशन में इनकी जरूरत जिला प्रशासन को रहेगी इसलिए सभी स्कूल प्रबंधक इस व्यवस्था को स्लाट बुक कराकर ठीक करा लें। डीएम सोमवार को जिला स्कूल वाहन परिवहन सुरक्षा समिति व जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक की अध्यक्षता करते हुए डीएम महेंद्र बहादुर सिंह ने कहा कि जिले में करीब दो तिहाई स्कूली वाहन फिटनेस विहीन हैं, इसलिए विद्यालय प्रबंधन अनफिट वाहनों की अनिवार्य रूप से फिटनेस करा लें। फिटनेस के लिए आनलाइन स्लाट की बुकिग कराना होगा। विद्यालय वाहनों को फिटनेस में प्राथमिकता मिलेगी। अनफिट वाहनों का सड़क पर संचालन पूरी तरह गैरकानूनी है। चुनाव से पूर्व सभी स्कूली वाहनों का फिटनेस अनिवार्य रूप से करा लिया जाए। इसमें किसी भी स्तर पर शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। विस सामान्य निर्वाचन 2022 में काफी संख्या में छोटे-बड़े वाहनों की आवश्यकता होगी। जिसमें स्कूली वाहनों का भी उपयोग किया जाएगा। उन्होंने विद्यालय प्रबंधन से वाहनों के अधिग्रहण पर न केवल चर्चा की बल्कि पूरा सहयोग चाहा। सभी स्कूली प्रबंधन के लोग अधिग्रहित वाहनों को नियत समय पर रिपोर्ट कराएं। निर्वाचन उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। डीएम ने कहा कि वैक्सीनेशन हम सबकी सामूहिक व समेकित जिम्मेदारी है। सभी विद्यालय प्रबंधन के लोग 15 से 18 आयु वर्ग के किशोरों का अनिवार्य रूप से वैक्सीनेशन कराएं। बैठक की शुरुआत में से एआरटीओ ने बैठक की आवश्यकता व प्रासंगिकता बताई। विद्यालय वाहनों की फिटनेस में परिवहन विभाग विद्यालय प्रबंधन को फैसिलिटेड करेगा। बैठक में एडीएम संजय कुमार सिंह, एएसपी अरुण कुमार सिंह, एआरटीओ प्रवर्तन रमेश कुमार चौबे एआरटीओ प्रशासन आलोक कुमार सिंह, बीएसए लक्ष्मी कांत पांडेय, डीआइओएस सहित काफी संख्या में स्कूल प्रबंधन व प्रधानाचार्य, ट्रांसपोर्टर्स मौजूद रहे।

समाजवदी पार्टी द्वारा अंबेडकर नगर के पांचों विधानसभा सीटों पर किसकी होगी दावेदारी 4 सीटें बसपा से आए सपा के नेताओं के पास हैं क्या एक सीट जाएगी गठबंधन में

संवाददाता

अंबेडकरनगर। समाजवादी पार्टी के लिए जिले में टिकट बांटने से ज्यादा अपनी पार्टी के नेताओं को मनाने की चुनौती है उनमें बसपा से आए नेताओं को ही 5 में से 4 सीट पर टिकट मिलना तय माना जा रहा है टांडा सीट गठबंधन के खाते में जाने के आसार है ऐसे में प्रत्येक सीट पर पार्टी के दावेदारों व उनके समर्थकों के बीच जो स्वाभाविक नाराजगी सामने आ रही है उसे खत्म करने के लिए पार्टी को कुछ बड़ा कदम उठाना होगा अगर ऐसा ना हुआ तो नाराजगी का असर पार्टी के लिए काफी नुकसान दे साबित हो सकता है साल 2017 के आम चुनाव के 5 सीटों में से सपा को जिले की एक भी सीट पर कामयाबी हासिल नहीं हुई थी हालांकि जलालपुर सीट पर हुए उपचुनाव में जरूर बाद में सपा प्रत्याशी सुभाष राय को विजय मिली थी अब मौजूदा विधानसभा चुनाव में सपा ने सभी 5 सीटों पर जीत तय करने का लक्ष्य हासिल करने के लिए पूरी ताकत लगा रखी है बीते विधानसभा चुनाव समाप्त होने के बाद से मौजूदा विधानसभा चुनाव का दौर शुरू होने से ठीक पहले तक 4 सीटों पर बसपा के जिन कद्दावर नेताओं का राज माना जाता था वह सपा में शामिल हो गए हैं इनमें अकबरपुर विधायक राम अचल राजभर कटेहरी विधायक लालजी वर्मा जलालपुर के पूर्व विधायक राकेश पांडे आलापुर के पूर्व विधायक त्रिभुवन दत्त शामिल है पार्टी ने इन सभी नेताओं को संबंधित सीट पर टिकट देने के संकेत दिए हैं टांडा की सीट गठबंधन के खाते में जाने की संभावना है ऐसे में सभी 5 सीटों पर सपा के जो नेता पिछले 5 वर्ष से तैयारी कर रहे थे उन्हें करारा झटका लगने की संभावना हो सकती हैं सपा ने फिलहाल अभी किसी भी सीट पर अधिकृत रूप से कोई एलान नहीं किया है इसलिए दावेदारों की उम्मीद बनी हुई है ऐसे माना जा रहा है कि पार्टी जब प्रत्याशियों का नाम ऐलान करेगी तो पुराने दावेदारों की नाराजगी स्वाभाविक तौर पर सामने आएगी ऐसे में यह समझा जा सकता है कि सपा के लिए इस बार टिकट ऐलान करने से ज्यादा चुनौती भरी बात अपने नेताओं को मनाने की है समाजवादी पार्टी के सीट के दावेदार अकबरपुर सीट पर बसपा से सपा में आए मौजूदा विधायक राम अचल राजभर के अलावा पूर्व मंत्री राममूर्ति वर्मा वरिष्ठ नेता विद्यावती राजभर जलालपुर सीट पर बसपा से सपा में आए पूर्व सांसद राकेश पांडे के अलावा मौजूदा विधायक सुभाष राय अभिषेक सिंह फूल चंद्र यादव दावेदार हैं।

दरगाह में हुआ मिनी बैंक का उद्घाटन

संवाददाता, किछौछा पंचायत अशरफपुर किछौछा दरगाह रोड टैक्सी स्टैंड के पास यूनियन बैंक मिनी ब्रांच का उद्घाटन हुआ जिसका उद्घाटन अशरफपुर किछौछा में स्थित यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के प्रबंधक संभू नाथ ने संयुक्त रूप से फीता काटकर उद्घाटन किया प्रबंधक संभू नाथ ने बताया यूनियन बैंक ऑफइंडिया के इस शाखा से ग्राहक कैश डिपॉजिट फंड ट्रांसफर अकाउंट ओपनिंग बैलेंस इंक्वायरी की सेवा ले सकेंगे नौशाद खान ने बताया दरगाह से सटे भिदुड़, नसरुल्लापुर, आदि छेत्र के ग्राहकों को प्रदान की जाने वाले वाली सुविधाएं आधार और एटीएम से नगद निकासी नगद जमा मनी ट्रांसफर खाता खोलने की सारी सुविधाएं उपलब्ध है।

इस मौके पर यूनियन ब्रांच मैनेजर सहित सुरेन्द्र मौर्या, मोहद्दीन, महमूद, अकबर खान, आजम, मोहम्मद अशरफ डॉ परवेज, डॉ राकेश कुमार।

मतदान केंद्रों पर शौचालय निष्प्रयोज्य, बिजली कनेक्शन भी नहीं

संवाददाता

सीतापुर। विधानसभा चुनाव को लेकर तहसील प्रशासन ने कमर कस ली है। लेकिन बहुत से मतदान केंद्रों पर रैंप, बिजली, शौचालय जैसी सुविधाएं नहीं हैं। जबकि यह सुविधाएं प्राथमिकता से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। तहसील में कुल 282 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। इन मतदान केंद्र पर 427 बूथ बनाए जाएंगे। अति संवेदनशील नौ मतदान केंद्र हैं। इन मतदान केंद्रों पर 17 बूथ बनाए गए हैं। इनमें पूर्व माध्यमिक विद्यालय इस्माइलगंज, पूर्व माध्यमिक विद्यालय बाड़ी, ब्लाक संसाधन केंद्र बाड़ी, प्राथमिक विद्यालय प्रथम बाड़ी, प्राथमिक विद्यालय झखरावां, पूर्व माध्यमिक विद्यालय सुजौलिया, प्राथमिक विद्यालय बसंतपुर, बरेठी, सरवा जलालपुर शामिल हैं। जबकि संवेदनशील 44 मतदान केंद्रों पर 86 बूथ बनाए गए हैं। इनमें प्राथमिक विद्यालय विद्यालय न्योराजपुर नवीन, छाजन, पूर्व माध्यमिक विद्यालय अहमदपुर जट, प्राथमिक विद्यालय मुकीमपुर, जंधैरा, हरदोई आदि शामिल हैं। मतदान केंद्र पूर्व माध्यमिक विद्यालय बौनाभारी, ब्लाक संसाधन केंद्र बाड़ी में रैंप की सुविधा नहीं है। मतदान केंद्र प्राथमिक विद्यालय बहरीमऊ में शौचालय निर्माणाधीन है। प्राथमिक विद्यालय सरवा जलालपुर, दहावा, रेहुआ, दुलारपुर, धरावां, ठिठुरा में शौचालय निष्प्रयोज्य हैं। वहीं पांच मतदान केंद्र प्राथमिक विद्यालय सरवा जलालपुर, सोनारी, रेहुआ, बेहमा, दुलारपुर में बिजली कनेक्शन की सुविधा नहीं है। मतदान केंद्रों पर जो समस्याएं हैं, उनको दूर कराने का प्रयास किया जा रहा है। संबंधित को निर्देशित किया है। रैंप, शौचालय, बिजली आदि की सुविधा सुनिश्चित कराई जाएगी। निर्वाचन संबंधी समस्या पर कंट्रोल रूम में करें फोन सीतापुर रू उप जिला निर्वाचन अधिकारी राम भरत तिवारी ने बताया, विधान सभा क्षेत्र चुनाव के संबंध में कोई दिक्कत या शिकायत है तो जरूरतमंद कंट्रोल रूम में फोन कर बता सकते हैं। इसका नंबर 05862-244647 है।

महिलाओं के प्रसव की समुचित सुविधाओं के लिए प्रयास किया जा रहा हैः चंद्र प्रकाश सिंह

संवाददाता

बलरामपुर। मानापार बहेरिया में चमचमाता प्राथमिक स्वास्थ केन्द्र एक अदद एएन?एम व महिला चिकित्सक की बांट जोह रहा है। इस अस्पताल मैं न पूरा स्टाफहै और न ही स्वास्थ की जरुरी सुविधाएं। प्रसव आदि के लिए महिलाओं को 15 किलोमीटर की दूरी तय करके उतरौला सीएचसी जाना पड़ता है। क्षेत्रीय लोगों ने क?ई बार इस स्वास्थ केन्द्र की सुविधाएं दुरुस्त कराने की मांग की लेकिन कोई हल नहीं निकला। तहसील मुख्यालय से लगभग 15किलोमीटर दूरी पर स्थित मानापार बहेरिया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर स्वास्थ विभाग की उदासीनता के चलते क्षेत्र की लगभग 50हजार की आबादी को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं मिल पा रहा है। जिसके कारण झोलाछाप डॉक्टरों की पौबारा है।मानापार बहेरिया में कहने को तो प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बना है लेकिन यहां पर प्रसव की व्यवस्था न होने से इलाके के लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। वैसे तो इस केंद्र पर बिजली व चिकित्सकों के रहने के लिए आवास की भी सुविधा उपलब्ध है और चिकित्सक में मेडिकल आफिसर अनिल कुमार प्रजापति, डॉ ए एच खान व फर्मासिस्ट बृजेश गुप्ता की तैनाती है। परन्तु महिलाओं के इलाज के लिए न तो कोई एन एम है।

मां से दूर बच्चों के जीवन में रोशनी भर रहा अलीगढ़ का एक संगठन, जाने विस्तार से

संवाददाता

अलीगढ। मां के बिना बच्चे की परवरिश की कल्पना भी नहीं की जा सकती। फिर, जरा सोचिये कि अगर मां जेल में हो तो उस बच्चे का भविष्य कैसे संवरेगा? आजाद फाउंडेशन ने ऐसे ही बच्चों के जीवन में रोशनी भरने का काम कर रहा है। यह संगठन उन बच्चों की न सिर्फ देखभाल कर रहा है, बल्कि उनकी पढ़ाई-लिखाई का जिम्मा भी उठा रहा है। अलीगढ़ जिला कारागार में करीब चार हजार कैदी-बंदी हैं। इनमें 160 महिला बंदी हैं। 10 बच्चे भी हैं, जो जेल के ऋच में ही रह रहे हैं। इनकी देखभाल को जेल प्रशासन कर लेता है, लेकिन, कई मां ऐसी हैं, जो अपने बच्चों से दूर रहकर सजा काट रही हैं। इनके बच्चे बाहर कैसा जीवन बिता रहे हैं? उन्हें खबर तक नहीं होती। इन्हीं बच्चों की परवरिश के लिए आजाद फाउंडेशन ने सार्थक पहल की है। संस्था की सचिव शाजिया सिद्दीकी कहती हैं कि टीम ने अलग-अलग सदस्यों ने बच्चों को गोद ले लिया था। सप्ताह में पांच दिन बच्चों के पास जाते हैं। उन्हें चेहरे पर खुशी लाने के लिए खेल प्रतियोगिताएं, कलात्मक गतिविधि करवाई जाती हैं। साथ ही टीम के सदस्य खुद ही बच्चों को पढ़ाते भी हैं। बच्चे भी इन गतिविधियों में रम जाते हैं और कुछ समय के लिए ही सही, अपने दर्द को भूलकर जीवन जीते हैं। शुरुआत में करीब 40 बच्चे ऐसे थे, जिनकी मां जेल में थीं। कोराना काल में यह संख्या आधी हो गई है। हर अवसर पर संस्था बच्चों के चेहरे पर मुस्कान लाने का प्रयास करती है। अगर किसी भी बच्चे का जन्मदिन होता है तो संस्था के सदस्य उसके घर जाते हैं। केक काटकर बच्चे का जन्मदिन मनाया जाता है। अन्य बच्चों को बुलाकर उस दिन को खास बना दिया जाता है। हफ्ते में पांच दिन लगती है बच्चों की क्लास संस्था में अध्यक्ष शहनीला सिद्दीकी, सचिव शाजिया सिद्दीकी के अलावा सीआरपीएफके रिटायर्ड कमांडर इमरान खान, एएमयू छात्र सईद बिलाल, आशीष, हिबा, डा. जुनैद आलम, दानिश खान, उबैद इसरार, कशीबा सिद्दीकी, युसरा खान शामिल हैं। इनमें से दो-दो सदस्य रोजाना बच्चों के पास जाकर क्लास लगाते हैं। क्लास में खेल व शैक्षिक गतिविधियां होती हैं। जेल में बंद महिलाओं के बच्चों के चेहरे के मुस्कान लाने के उद्देश्य से यह पहल की गई थी।

होम आइसोलेशन में घर पर सही देखभाल से होगी कोरोना की हार : सीएमओ

संवाददाता

बलरामपुर। ई-संजीवनी एप पर अनुभवी चिकित्सकों द्वारा मुफ्त कंसल्टेंसी की मिल रही सुविधा जिले में कोरोना के मामले बढ़ जरूर रहें हैं लेकिन पहली दो लहर जैसी गंभीर स्थिति संक्रमितों में इस बार नहीं देखी जा रही है। बहुत से लोगों में तो कोई खास लक्षण नजर नहीं आ रहे हैं, फिर भी उनकी रिपोर्ट पाजिटिव आ रही है। ऐसी स्थिति में घर पर ही रहकर कोविड प्रोटोकाल का पालन कर दवाओं का सेवन करते हुए कोरोना को आसानी से मात दिया जा सकता है। कोविड की जांच, उपचार और रेफर के लिए बनाए गए इंटीग्रेटेड कमांड व कंट्रोल सेंटर से संक्रमितों की निगरानी की जा रही है और जरूरी परामर्श भी दिए जा रहे हैं। मंगलवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. सुशील कुमार ने यह जानकारी देते हुए बताया कि स्वास्थ्य महानिदेशालय ने इस बार कोविड को मात देने के लिए दवाओं की सूची जारी करने के साथ ही कोरोना से निपटने के लिए की गईं तैयारियों और बरती जाने वाली सावधानियों का भी जिक्र किया है। उन्होने बताया इंटीग्रेटेड कमांड व कंट्रोल सेंटर से होम आइसोलेशन के पात्र मरीजों के स्वास्थ्य की स्थिति की निरंतर निगरानी की जा रही है।

वरुण धवन

जब भीड़ के पीछे से मंच पर खींच लाए थे अपने ड्राइवर को

वरुण धवन इस वक्त अपने ड्राइवर मनोज साहू के निधन को लेकर काफी दुखी हैं। वरुण उस वक्त मंगलवार को महबूब स्टूडियो में एक ब्रैंड की शूटिंग कर रहे थे और तभी उनके ड्राइवर मनोज साहू को हार्ट अटैक हुआ जिसके बाद ऐक्टर खुद उन्हें लेकर लीलावती हॉस्पिटल पहुंचे। हालांकि, वे उन्हें बचा नहीं पाए और डॉक्टरों ने उन्हें पहुंचते ही मृत घोषित कर दिया। वरुण धवन ने अपने ड्राइवर मनोज के लिए इमोशनल नोट लिखा है।

वरुण धवन ने इंस्टाग्राम पर अपने ड्राइवर मनोज का वीडियो शेयर किया है, जिसमें ऐक्टर सबके सामने अपने इस ड्राइवर की जमकर तारीफें करते नजर आ रहे हैं। वह मनोज के अपनी जर्नी में लंबे समय से साथ होने की बातें बता रहे हैं। वीडियो में वरुण कहते नजर आ रहे हैं, मनोज मेरी लाइफ में पिछ्ले 26 सालों से हैं, वह मेरे लिए सबकुछ थे। मैं इस दुख को शब्दों में बयां नहीं कर सकता लेकिन मैं इतना जरूर चाहता हूं कि लोग उन्हें उनके हाजिरजवाबी, ह्यूमर और पैशन के लिए उन्हें हमेशा याद रखें। मैं हमेशा आभारी रहूंगा कि आप मेरी लाइफ में थे मनोज दादा।

ऐसी ही बातें वह अपने इस पुराने वीडियो में भी कहते नजर आ रहे हैं। वरुण अपने ड्राइवर की तारीफें करते नहीं थक रहे। अपने ड्राइवर मनोज के बारे में बातें करते हुए वरुण धवन उन्हें ढूंढना शुरू करते हैं जो ऑडियंस में सबसे पीछे खड़े होते हैं। वरुण उन्हें वहां से खींचकर सामने लाते हैं और दुनिया से उन्हें मिलवाते हैं। वहां मौजूद भीड़ सीटियों और तालियों से उनका जोरदार स्वागत करती नजर आ रही है।

बता दें कि मंगलवार को भी वरुण अपने इसी ड्राइवर के साथ महबूब स्टूडियो में थे और किसी ब्रैंड की शूटिंग कर रहे थे। अचानर ड्राइवर ने सीने में दर्द की शिकायत की और फिर उन्हें हार्ट अटैक आ गया। ऐक्टर और क्रू मेंबर्स उन्हें लेकर फौरन हॉस्पिटल भागे। ऐक्टर के पापा डेविड धवन भी वरुण को संभालते नजर आए और उन्होंने प्रॉमिस किया है कि वे ड्राइवर की फैमिली का ख्याल रखेंगे।

मुग्धा गोडसे-आकाश को चमकाती थ्रिलर फिल्म 'डेविल स नाइट'

बिहार के पटना में हीरों का कारोबार करते एस, पटनवी का फायनांस का कारोबार भी है। अब अपने कारोबार का दायरा बढ़ाते हुए उन्होंने फिल्म निर्माण के क्षेत्र में अपना आगमन कर लिया है। अपना बैनर एस. पी. - डिजिटल एंटरटेन्मेंट स्थापित कर स्थापित उन्होंने फ़िल्म ÷डेविल स नाइट÷ का निर्माण कार्य शुरू कर दिया है। नाम से ही यह तो साफ है कि यह थ्रिलर फिल्म है। इसके निर्देशन की कमान अशोक जमुआर को सौंपी गयी है और वे ही इस फ़िल्म के कथा व पटकथा लेखक भी हैं।

फ़िल्म के मुख्य कलाकार हैं मुग्धा गोडसे और आकाश। हेल्प के बाद मुग्धा की यह दूसरी थ्रिलर फिल्म है और उसे खुशी है कि वर्ष 2022 की शुरुआत एक रोमांचक फिल्म की शूटिंग के साथ हुई है। फिल्म के हीरो आकाश का अहम परिचय यह है कि वे गोविंदा के मामा के बेटे हैं। इन दोनों को चमकाती इस फिल्म में मुग्धा द्वारा फिल्मी हीरोइन की भूमिका निभायी जा रही है। फ़िल्म फैशन में सुपर मॉडल के तौर पर नज़र आयी मुग्धा हीरोइन की भूमिका के बारे में कहती है, कई लोग मान रहे हैं कि हीरोइन हूँ सो यहाँ हीरोइन की भूमिका निभाना आसान होगा पर ऐसा नहीं है। यहां मैं किरदार निभा रही हूँ और इस किरदार को मैं निर्देशक के नज़र से प्रस्तुत कर रही हूँ। यहां मैं हीरोइन बनी हूँ। एक ऐसी हीरोइन जो रहस्यमय हादसों के जाल में उलझी हुयी है। यह भूमिका आम नहीं है।मुझे जब फ़िल्म की कहानी सुनायी गयी तब काफी रोमांच महसूस किया था और उम्मीद है कि यह दर्शकों को भी रोमांचित कर जाए। फ़िल्म देखते वक्त दर्शकों के रौंगटे खड़े हो जाएंगे, ऐसा मेरा मानना है। अदी इरानी द्वारा यहां फिल्म निर्माता की भूमिका निभायी जा रही है। अपनी हीरोइन के साथ साथ यह निर्माता भी हादसों के जाल में उलझ जाता है। एक हत्या के पश्चात हीरोइन व निर्माता क्या कुछ झेलना पड़ जाता है यह इसमें रोमांचक अंदाज में दर्शाया जाएगा।

प्रभास की हिरोइन पूजा हेगड़े ने शेयर की मालदीव वकेशन की तस्वीरें

इस तस्वीर को शेयर कर पूजा हेगड़े ने कैप्शन में लिखा है- मैं अपना शनशाइन हमेशा साथ लेकर चलती हूं। इन दिनों जहां कोविड-19 पेंडेमिक की तीसरी लहर ने पूरी दुनिया को एक बार फिर अपने चपेट में ले रखा है वहीं पूजा हेगड़े भीड़ से दूर शांति में अपनी छुट्टियां मना रही हं। अपनी बिकीनी वाली तस्वीरों को लेकर वह इस वक्त फैन्स के बीच काफी सुर्खियां बटोर रही हैं। इससे पहले भी उन्होंने इस वकेशन की एक और तस्वीर शेयर की है।

हाउसफुल 4 ऐक्ट्रेस पूजा हेगड़े इन दिनों बाहुबली ऐक्टर प्रभास के साथ अपनी अगली फिल्म राधे श्याम को लेकर चर्चा में हैं। हालांकि, फिलहाल वह अपने काम-धाम से छुट्टी लेकर सैर पर मालदीव निकल पड़ी हैं। वहां पहुंचकर उन्होंने जालीदार बिकीनी में अपनी कुछ ऐसी तस्वीरें शेयर की हैं कि इंटरनेट पर हंगामा मच गया है।

अपनी ग्लैमरस तस्वीरों को लेकर अक्सर चर्चा में रहने वालीं पूजा हेगड़े और प्रभास की फिल्म राधे श्याम की रिलीज़ डेट फिलहाल पेंडेमिक की वजह से टल गई है। बताया जा रहा है कि यह फिल्म कई भाषाओं में रिलीज़ हो रही है, जिसमें तेलुगू, तमिल और मलयालम के साथ-साथ हिन्दी भी है। ऐसे में बॉलिवुड फैन्स भी प्रभास और पूजा हेगड़े की इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

इससे पहले भी पूजा हेगड़े अपने बिकीनी लुक को लेकर चर्चा में रही हैं। सोशल मीडिया पर पूजा की अच्छी फैन फॉलोइंग है। उन्हें करीब 17.1 मिलियन फैन्स इंस्टाग्राम पर फॉलो करते हैं। ऐसे में इतने सारे फैन्स का पूजा भी खूब खयाल रखती हैं और अपनी लाजवाब तस्वीरों की ट्रीट वह उन्हें अक्सर देती रहती हैं।

पूजा उन ऐक्ट्रेसेस में से हैं जो अपने सिज़लिंग लुक्स से फैन्स को दीवाना बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ती हैं। यही वजह है कि उनकी तस्वीरें अक्सर ही चर्चा में छाई रहती हैं। हाउसफुल 4 ऐक्ट्रेस पूज हेगड़े के अपकमिंग प्रॉजेक्ट्स की बात करें तो राधे श्याम के अलावा आचार्या, बीस्ट और सर्कस जैसी फिल्में शामिल हैं।

दिव्यांका त्रिपाठी ने शेयर किया पंजाबी गाने का वीडियो

छोटे पर्दे की जानीमानी अभिनेत्री दिव्यांका त्रिपाठी ने अपने पंजाबी गाना बाबुल दा वेहडा का वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है और अपने प्रशंसकों को एक बेहद इंटरेस्टिंग टास्क दिया है। वर्ष 2022 की शुरुआत के साथ दिव्यांका ने पंजाबी म्यूजिक वर्ल्ड में अपना कदम रखा है। बाबुल दा वेहडा गाने में दिव्यांका ने एक दुल्हन की भूमिका निभाई है, जो भावनात्मक उथल-पुथल से गुजर रही है,क्योंकि वह अपने पिता के घर को छोड़कर एक नई जिंदगी की शुरुआत करने जा रही है।दिव्यांका इन दिनों अपने इस गाने का जबरदस्त प्रमोशन कर रही हैं। अपनी लेटेस्ट इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए भी दिव्यांका ने फैंस को एक बेहद इंटरेस्टिंग टास्क दिया है।

इस वीडियो की शुरुआत में दिव्यांका ब्लैक टॉप पहने हाथ में रेड कलर का बेहद एलिगेंट सूट लिए हुए मुस्कुराती नज़र आ रही हैं, और बस पलक झपकते ही दिव्यांका उसी सुर्ख लाल सूट में बिल्कुल किसी पंजाबी दुल्हन की तरह सजी हुई बेहद खूबसूरत नजर आ रही हैं। वीडियो के बैकग्राउंड में बाबुल दा वेहडा गाना सुनाई दे रहा है।

इस वीडियो को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए दिव्यांका ने फैन्स से भी इसी गाने पर अपना ट्रांसफार्मेशन रील शेयर करने के लिए कहा है। कैप्शन में दिव्यांका ने लिखा कि, मैं बेसब्री से इस गाने पर आपके इंस्टा रील्स का इंतजार कर रही हूं। फेस स्वाईप कर अपना वीडियो बनाकर मेरे साथ शेयर करें। बेस्ट रील्स को मैं अपने स्ट्रोरीज़ में पोस्ट करूंगी।÷

जॉन अब्राहम ने एक विलेन रिटर्न्स' के लिये 21 करोड़ रुपए की फीस ली

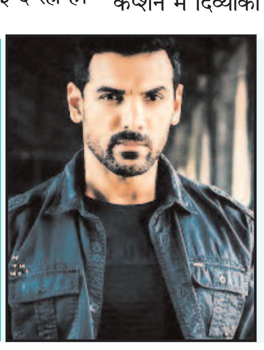

बॉलीवुड के माचो हीरो जॉन अब्राहम ने अपनी आने वाली फिल्म एक विलेन रिटर्न्स' के लिये 21 करोड़ रुपए की फीस ली है। जॉन इन दिनों एक विलेन रिटर्न्स' में काम कर रहे हैं। एक विलेन रिटर्न्स वर्ष 2014 में प्रदर्शित फिल्म एक विलन की सीक्वल है। एक विलेन रिटर्न्स' का निर्देशन मोहित सूरी कर रहे है। फिल्म में जॉन अब्राहम, अर्जुन कपूर, दिशा पाटनी और तारा सुतरिया मुख्य भूमिका निभाते हुए नज़र आयेंगी। जॉन अब्राहम अपनी फीस में बढ़ोतरी कर रहे हैं। जॉन ने आदित्य चोपड़ा की फिल्म पठान के लिए 20 करोड़ रुपए चार्ज किए थे। बताया जा रहा है कि जॉन ने एक विलेन रिटर्न्स के लिये मेकर्स से 21 करोड़ रुपए फीस के तौर पर चार्ज किए हैं। जॉन ने तीन सालों में अपनी फीस में तिगुनी बढ़ोतरी की है।

रश्मिका मंदाना की फिल्म 'पुष्पा' के गाने 'सामी सामी' पर गौहर खान ने किया धमाकेदार डांस

हाल में रिलीज हुई पुष्पा द राइज फिल्म का क्रेज फैंस के बीच खूब देखने को मिल रहा है। इस फिल्म के गाने हो या डायलॉग सभी को फैंस ने खूब पसंद किया है। पुष्पा का गाना सामी सामी इंटरनेट पर खूब धमाल मचा रहा है। बॉलिवुड स्टार्स से लेकर टीवी सेलेब्स इस गाने पर हुक स्टेप कर रहे हैं। ऐसे में बिग बॉस की पूर्व विनर गौहर खान ने भी रश्मिका मंदाना के गाने सामी सामी पर डांस वीडियो शेयर किया है।

गौहर खान लेटेस्ट वीडियो में ऑफ व्हाइट सूट में नजर आ रही हैं। वह पुष्पा के गाने सामी सामी का हुक स्टेप्स कर रही हैं। गौहर एक बढ़िया डांसर हैं और वह इस हुक स्टेप को शानदार अंदाज में करती नजर आ रही हैं। इस वीडियो को शेयर करते हुए वह लिखती हैं, सुनिधि चौहान की आवाज जैसा

कुछ नहीं है, ये गाना जीवित कर देता है। इस गाने पर गौहर की अदाओं को देख जसलीन मधारू ने कहा हॉट हैं एकदम।

बता दें इंस्टाग्राम की रील्स पर पुष्पा फिल्म के गानों का खूब दबदबा देखने को मिल रहा है। हर कोई सामी सामी, श्रीवल्ली से लेकर ओ अंटावा पर थिरकता नजर आ रहा है। सामी सामी गाना रश्मिका मंदाना पर फिल्माया गया है।

अल्लू अर्जुन की पुष्पा की जमकर तारीफ हुई है। लाल चंदन की तस्करी पर बनी फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार बिजनेस किया और अब ओटीटी पर ये दर्शकों द्वारा खूब पसंद की जा रही है। अल्लू अर्जुन के अभिनय से लेकर विलेन की धमाकेदार परफॉर्मेंस की वजह से इस फिल्म ने नाम कमाया है।

आम्रपाली

प्रदीप पांडेय चिंटू की फ़िल्म 'लव विवाह.कॉम' का ट्रेलर रिलीज

भोजपुरी अभिनेत्री आम्रपाली दुबे और चॉकलेटी स्टार प्रदीप पांडेय चिंटू की फ़िल्म लव विवाह.कॉम का ट्रेलर रिलीज हो गया है। रत्नाकर कुमार प्रस्तुत वर्ल्ड वाइड प्रोडक्शन की फ़िल्म लव विवाह.कॉम में आम्रपाली और चिंटू की मुख्य भूमिका है। इस फिल्म को अनंजय रघुराज ने निर्देशित किया है, और कहानी भी उन्होंने ही लिखी है। इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो गया है। फ़िल्म के कहानी एक मेडिकल स्टूडेंट्स की है, जिसका क़िरदार चिंटू निभा रहे हैं। कॉलेज में उसे अपने सीनियर आम्रपाली से प्रेम हो जाता है।

फिल्म निर्देशक अनंजय रघुराज ने कहा,यह एक दम फ्रेश पटकथा है। कहानी कहीं से प्रभावित नहीं है। उन्होंने कहा किलव विवाह.कॉम एक बेहतरीन सामाजिक फ़िल्म है। हमने मेहंदी लगा के रखना से जो सार्थक सिनेमा की शुरुआत की थी जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया था। उसी जॉनर की यह फ़िल्म है, जो हर वर्ग के दर्शकों को सिनेमाघरों में लेकर आएगी।

गौरतलब है कि फ़िल्म लव विवाह.कॉम के निर्माता प्रदीप सिंह, प्रतीक सिंह और कोमल जी हैं। सह निर्माता पदम् सिंह हैं। संगीत रजनीश मिश्रा का है और गीत श्याम देहाती, राजेश मिश्रा और आज़ाद सिंह का है।कोरियोग्राफर कानू मुखर्जी हैं। फ़िल्म में प्रदीप पांडेय चिंटू, आम्रपाली दुबे, अमित शुक्ला, संदीप यादव, करण पांडेय, संजय यादव और योति पांडेय नज़र आयेंगी।

इन तरीकों से डालें सिर पर पल्लू

ट्रेडिशनल के साथ मिलेगा स्टाइलिश लुक

आमतौर पर पूजा पाठ या नई नवेली दुल्हन को अपने ट्रेडिशनल कपड़ों के साथ पल्लू लेना पड़ता है। महिलाएं खूबसूरत साड़ी पहनती हैं। डिजाइनर सूट पहनती हैं, इन सब पर वह अपना लुक स्टाइलिश दिखाना चाहती हैं पर परम्पराएं भी निभानी होती हैं। ऐसे में साड़ी का आंचल हो या सूट की चुनरी हो, महिलाएं कुछ मौकों पर इनसे अपनी सिर को ढकने यानी पल्लू लेने का काम करती हैं। ऐसे में उनका स्टाइल छिप सकता है, लेकिन कुछ आसान तरीकों से आप सिर पर पल्लू भी स्टाइल में ले सकती हैं। इससे आपकी सुंदरता में चार चांद लग जाएंगे। इसी कड़ी में आज हम जानेंगे सिर पर पल्लू रखने के उन चार तरीकों के बारे में, जिनसे आपको ट्रेडिशनल के साथ साथ स्टाइलिश लुक भी मिलेगा। इस तरह से पल्लू को कैरी करने पर आप काफी ग्लैमरस भी दिखेंगी। आइए जानते हैं पल्लू रखने के उन चार तरीकों के बारे में –

कंधे पर करें पल्लू को पिन अप

आप साड़ी को किसी भी स्टाइल में ड्रेप करें, लेकिन पल्लू लेते समय उसे अच्छे से पिन अप करें। सिर पर पल्लू डालते समय पहले हेयर पिन की मदद से उसे सेट कर लें। साथ ही सेफ्टी पिन को लगाकर कंधे पर साड़ी का थोड़ा सा पल्लू सिक्योर कर लें।

बालों में बनाएं जूड़ा

साड़ी के साथ पल्लू लेना है, तो बालों में जूड़ा बना सकती हैं। इससे पल्लू लेते समय आंचल जूड़े पर टिका रहेगा और अच्छा लुक देगा। बैक की हेयरस्टाइल भी साफ पता चलेगी। जब आप सिर पर पल्लू लें, तो जूड़ा पिन की मदद से पल्लू को जूड़े में ही टक इन कर लें।

बॉर्डर वाली साड़ी का पल्लू लेने का तरीका

साड़ी में अगर बॉर्डर है, तो उसका पल्लू आपके लुक पर अच्छा लगेगा। बॉर्डर वाली साड़ी का पल्लू सिर पर लेते समय पीछे साइड पर एक हुक लगा लें। इस हुक को अपने बालों में फंसा लें। हालांकि अधिक समय के लिए ये ट्रिक न अपनाएं, क्योंकि बालों में हुक फंसने की संभावना है।

प्लीट्स बनाते समय लें लंबा पल्लू

जब आप कंधे की प्लीट्स बनाएं तो सिर पर पल्लू लेने के लिए, साड़ी का बड़ा भाग छोड़ें ताकि पल्लू सिर पर सही से आ जाए और छोटा न पड़े।

बालों को बेजान होने से बचाएं

अपने बालों में हल्के हाथों से मसाज करें। इसके लिए हल्के गर्म तेल का इस्तेमाल करें। अगर आप नारियल तेल इस्तेमाल करती हैं तो इसे हल्का गर्म कर लें और इसे अपने बालों पर हल्के हाथों से मसाज करें। यह आपके बालों में सॉफ्टनेस भी लाएगा और मजबूती भी। सर्द हवाएं जहां आपकी त्वचा को रूखा करती हैं, वहीं आपके बालों पर भी इसका असर पड़ता है। इसलिए आप जब भी बाहर निकलें, ध्यान रखें कि स्कॉर्फ आपके पास हमेशा हो और आप अपने बालों को इससे ढंककर रखें

सर्दियों के मौसम में बालों की समस्या आम हो जाती है। आपने इस मौसम में बालों के रूखेपन, बेजान व टूटने जैसी समस्या देखी होगी। वो इसलिए क्योंकि सर्दियों के मौसम में बालों में रूखापन आ जाता है, जिस कारण बाल झड़ने जैसी समस्या आम हो जाती है। इसलिए ठंड के मौसम में आपको बालों पर खासतौर पर ध्यान देने की जरूरत होती है। अगर आप भी अपने बालों को झड़ने से बचाना चाहती हैं तो अपनाएं ये टिप्स-

हल्के गर्म तेल से करें मसाज

अपने बालों में हल्के हाथों से मसाज करें। इसके लिए हल्के गर्म तेल का इस्तेमाल करें। अगर आप नारियल तेल इस्तेमाल करती हैं, तो इसे हल्का गर्म कर लें और इसे अपने बालों पर हल्के हाथों से मसाज करें। यह आपके बालों में सॉफ्टनेस भी लाएगा और मजबूती भी। सर्द हवाएं जहां आपकी त्वचा को रूखा करती हैं, वहीं आपके बालों पर भी इसका असर पड़ता है। इसलिए आप जब भी बाहर निकलें, ध्यान रखें कि स्कॉर्फ आपके पास हमेशा हो और आप अपने बालों को इससे ढंककर रखें।

ज्यादा से ज्यादा पानी पीएं

हम ठंड के समय पानी पीना कम कर देते हैं, लेकिन इस गलती से हमें बचना चाहिए, क्योंकि पानी पीने से हमारी बॉडी हाइड्रेट रहती है इसलिए पानी पीना कम न करें।

कंडीशनिंग को न करें नजरअंदाज

बालों को धोने के बाद कंडीशनर करना न भूलें। हफ्ते में दो बार अपने बालों को कंडीशनर जरूर करें। ●

होंठों की खूबसूरती के लिए खास टिप्स

खूबसूरत होंठों पर सबका ध्यान जाता है। नर्म, नाजुक, गुलाबी होंठों को ठंड में विशेष देखभाल की जरूरत होती है। आइए जानें ...

जैतून का तेल और वैसलीन मिलाकर दिन में तीन या चार बार फटे होंठों पर लगाएं। तीन-चार दिन नियमित उपचार करने पर आपके होंठों की दरारें भरने लगेंगी या भर जाएंगी। दरारें होने पर थोड़ा-सा शहद लेकर होंठों पर उंगली से धीरे-धीरे मलें। कुछ ही दिनों के प्रयास से आपके होंठ पहले की तरह चमकदार और मुलायम हो जाएंगे। दो बड़े चम्मच कोकोआ बटर, आधा छोटा चम्मच मधु वैक्स लें। उबलते पानी पर एक बर्तन में वैक्स डालकर पिघला लें। इसमें कोकोआ बटर मिलाएं। अब इस मिश्रण को ठंडा होने दें। इसे लिप ब्रश की मदद से होंठों पर लगाएं। इससे होंठों का सौंदर्य बना रहेगा। ●

खाने के बाद टहलने से पाचन रहता है ठीक

बेहतर स्वास्थ्य और संपूर्ण फिटनेस के लिए खाना खाने के बाद कम से कम आधा घंटा टहलना जरूरी है। वॉक ना सिर्फ वजन को कंट्रोल करती है, बल्कि संपूर्ण हेल्थ का ध्यान रखती है। यह एक ऐसी कॉर्डियक एक्सरसाइज है, जो हमारे दिल की सेहत का भी ध्यान रखती है, साथ ही फेफड़ों को अच्छे से काम करने में मदद करती है। अक्सर कुछ लोगों की आदत होती है कि वो खाना खाने के बाद कुछ देर वॉक जरूर करते हैं। लोगों का मानना है कि वॉक करने से खाना जल्दी पच जाता है। लेकिन क्या सचमुच वॉक करने से खाना जल्दी पचता है और मेटाबॉलिज्म बूस्ट होता है? आइए रिसर्च से जानते हैं कि वॉक करने और खाने पचने का क्या संबंध है।

वॉक का फायदा क्या हैं?

खाना खाने के बाद बॉडी अपना काम करना शुरू कर देती है। पहले भोजन टूटता है और पोषक तत्वों को अवशोषित करता है। भोजन के टूटने यानि पाचन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा छोटी आंत में होता है। शोध से पता चलता है कि खाना खाने के बाद वॉक करने से भोजन को पेट से छोटी आंत में परिवर्तित होने में मदद मिल सकती है।

वॉक किस तरह खाने को डायजस्ट करती है:

जितनी तेजी से भोजन पेट से छोटी आंत में जाता है उतनी ही जल्दी आपको सूजन, गैस और एसिड रिफ्लक्स जैसी सामान्यों से निजात मिलती है। कई अध्ययनों में यह बात सामने आई है कि खाने के बाद 30 मिनट की नियमित वॉक आंतों की कार्य प्रणाली में सुधार करती है, साथ ही कब्ज की समस्या को भी कम करती है।

क्या कहती है रिसर्च?

खाने के बाद वॉक न सिर्फ पाचन को दुरुस्त करती है बल्कि टाइप -2 शुगर के मरीजों को फायदा भी पहुंचाती है। न्यूजीलैंड के ओटागो विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं के मुताबिक टाइप -2 शुगर वाले मरीज खाने के बाद, खासकर कार्ब युक्त भोजन के बाद टहलते हैं, तो उनके ब्लड में शुगर का स्तर ठीक रहता है। खाने के बाद टहलने से ग्लूकोज का उपयोग बॉडी की गतिविधियों के लिए ऊर्जा उत्पन्न करने में किया जाता है, जिससे रक्त में ग्लूकोज के स्तर को कम करने में मदद मिलती है। ●

हमारे दिमाग और पेट को यह समझने में 20 मिनट का समय लग जाता है कि अब भूख मिट चुकी है और नहीं खाना चाहिए। जल्दी-जल्दी खाने की वजह से हम अपनी शारीरिक जरूरत से ज्यादा भोजन कर लेते हैं। इससे अनजाने में वजन बढ़ जाता है, इसलिए खाने की स्पीड पर कंट्रोल करें।

नुकसान

जल्दी खाने वाले लोगों को अक्सर गैस, एसिडिटी और कब्ज की समस्या रहती है।

चबाकर खाने के फायदे

धीरे-धीरे चबाकर खाने से जो लार हमारे मुंह में बनती है, वह खाने में घुलकर पाचन प्रक्रिया को और आसान बनाती है। इससे गैस या कब्ज की समस्या नहीं रहती।

भोजन करने में समय का रखें खास ध्यान

ऐसे सुधारें आदत

डाइट में सलाद को शामिल करें, क्योंकि इन्हें चबाए बिना निगला नहीं जा सकता। डाइनिंग टेबल, स्कूल, कॉलेज या दफ्तर की कैंटीन में बैठकर ही खाना खाएं। टीवी या लैपटॉप के सामने बैठकर ना खाएं। खाते समय बीच-बीच में एकाध घूंट पानी पीएं इससे आप धीरे-धीरे खाएंगे और खाना अच्छी तरह पचेगा। ●

चाय के बदले खाली पेट पीएं पानी

बीमारियों की होगी छुट्टी

सुबह उठते ही सबसे पहले लोग चाय पीना पसंद करते हैं। इसके बाद उनके दिन की शुरूआत होती है। फिर वह कोई अन्य कार्य करते हैं, लेकिन कई बार लोग चाय पीने के बाद शिकायत करते हैं कि उन्हें एसिडिटी हो रही है, बदहजमी, पाचन क्रिया गड़बड़ हो रही और अन्य पेट से संबंधित बीमारियां। लेकिन सबसे पहली बात कही जाती है कि कभी भी खाली पेट चाय नहीं पीना चाहिए। वह सेहत के लिए सबसे अधिक हानिकारक है। लेकिन हर रोज होने वाली छोटी-छोटी बीमारी से तंग आ गए हैं तो उसकी दवा है खाली पेट पानी पीएं। जी हां, इस दवा की कोई कीमत नहीं है बस यह कि चाय से पहले और बांसी मुंह 1 गिलास पानी पीना है। आइए जानते हैं खाली पेट पानी पीने के फायदे -

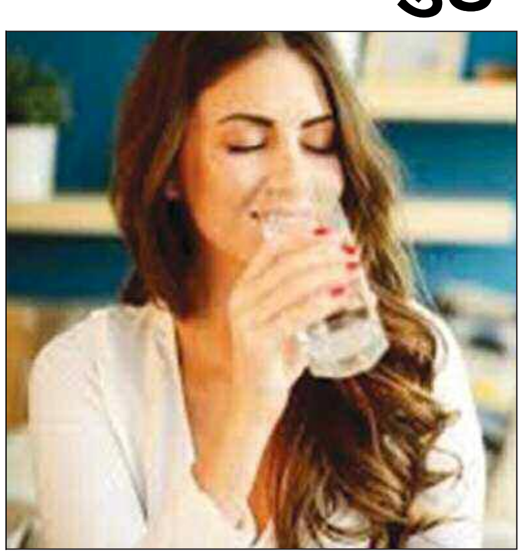

● **आंतों को मिले आराम :** खाली पेट पानी पीने से आंत साफ होती है और पाचन प्रक्रिया मजबूत होती है।

● **टॉक्सिंस को बाहर निकालें :** खाली पेट पानी से रातभर में शरीर में टॉक्सिन्स जम जाते हैं। जो सुबह यूरिन के जरिए बाहर निकल जाते हैं।

● **बेवजह दर्द को करें दूर :** हर वक्त किसी न किसी कारण से सिरदर्द होता रहता है। ऐसे में सुबह पानी पीने से सिरदर्द की समस्या तो दूर होती ही है। साथ ही दांतों के दर्द में भी आराम मिलता है।

● **चेहरा खिल जाएगा :** दरअसल, खाली पेट पानी पीने से ब्लड सर्कुलेशन अच्छा हो जाता है। साथ ही शरीर में मौजूद टॉक्सिन्स बाहर निकल जाते हैं। इससे चेहरा दमकता है और निखार जरूर आता है।

● **पथरी में मिले आराम :** पथरी होने पर अक्सर लोगों को अधिक से अधिक पानी पीने की सलाह दी जाती है। ताकि वह यूरिन के जरिए निकल जाएं। लेकिन रोज सुबह खाली पेट पानी पीते हैं तो पथरी की संभावना बहुत हद तक कम हो जाएगी। इसलिए सेहत बिगड़े इसके पहले ही अधिक पानी पीएं। ●

रात की रानी के चमत्कारी फायदे

रात की रानी का पौधा जिसे पारिजात, नाइट जैस्मिन और हरसिंगर भी कहा जाता है, दिखने में तो खूबसूरत लगते ही हैं, साथ ही इनकी ख़ुशबू से सारा इलाका महक जाता है। इन खूबसूरत और खुशबूदार फूलों की ख़ासियत सिर्फ यही तक सीमित नहीं है। आपको जानकर हैरानी होगी लेकिन रात की रानी का पौधा आपकी सेहत के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। इस अनोखे पौधे में एंटीऑक्सीडेंट, एंटी-इंफ्लामेटरी और एंटी बैक्टीरियल गुण होते हैं, जो सेहत से जुड़ी कई समस्याओं में मददगार साबित होते हैं। हेल्थ एक्सपर्ट्स भी रात की रानी के सेहत से जुड़े फायदों के बारे में अक्सर जिक्र करते हैं।

अगर आप भी आज तक इस फूल के फायदों से अनजान थे, तो आइए जानें कि रात की रानी के फूल किस-किस तरह सेहत को फायदा पहुंचा सकते हैं।

इन तकलीफों में मददगार होता है रात की रानी का पौधा

सायटिका

3 से 4 पत्तियां लें, उन्हें ग्राइन्ड करें और पानी में उबाल लें। छानें और खाली पेट दिन में दो बार पिएं। इससे सायटिका के दर्द में राहत मिलेगी।

अर्थराइटिस

पत्तियां, फूल और इसकी छाल लें और इन्हें 200 एमएल पानी में डालकर उबाल लें। पानी को तब तक उबालें जब पानी 50 एमएल तक न पहुंच जाए। इसे गुनगुना पिएं।

सूखी खांसी

सूखी खांसी से राहत पाने के लिए इसकी सूखी पत्तियां लें और इन्हें कूट लें। फिर इसका जूस लें इसे शहद के साथ पी लें।

सर्दी, खांसी और साइनस

सर्दी और साइनस से आराम पाने के लिए पानी में इसकी पत्तियों और फूलों को उबाल लें। फिर इसे छानकर एक कप में डालें और पी लें। इसमें आप तुलसी की पत्तियां भी डाल सकती हैं।

आंत के कीड़े

पत्तों को पीसकर दो चम्मच रस निकाल लें। फिर मिश्री और पानी के साथ इसका सेवन करें।

बुखार

तुलसी के 2-3 पत्तों के साथ 3 ग्राम छाल और 2 ग्राम पत्ते लें। इन सभी चीजों को पानी में उबाल लें और फिर दिन में दो बार पिएं।

बेचैनी

तनाव और चिंता को दूर करने के लिए अरोमाथेरेपी में रात के चमेली के तेल का उपयोग किया जाता है। ●

आज की रेसिपी

बादाम के लड्डू

बादाम सेहत के लिए खूब फायदेमंद है। बादाम को अच्छी सेहत का उपहार माना जाता है, क्योंकि यह विटामिन ई, डाइटरी फाइबर, प्रोटीन, राइबोफ्लेविन, मैगनीज, फोलेट जैसे 15 पोषक तत्वों का स्रोत होता है। नियमित रूप से बादाम खाने से कई लाभ मिलते हैं, जिसमें हार्ट हेल्थ, डायबिटीज, स्किन हेल्थ और वेट मैनेजमेंट शामिल है। बादाम को भीगो कर खाया जा सकता है, या फिर इसका हलवा भी बनाया जा सकता है। आज हम आपको बताने वाले हैं बादाम के लड्डू की रेसिपी। इन लड्डू को आप बादाम, गुड़ और किशमिश से बना सकते हैं। आइए, जानते हैं–

कैसे करें तैयारी

सब से पहले एक पैन को गर्म करें। फिर धीमी या मीडियम आंच पर एक कप कच्चे बादाम डालें। इसे चलाते हुए अच्छे से भून लें। बादाम को कुरकुरा होने तक अच्छे से भूनते रहें। इसके साथ इसमें 2 चम्मच किशमिश डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। गैस बंद करें और भूने हुए बादाम किशमिश को एक बर्तन में निकाल लें। अब इन दोनों चीजों को अच्छे से मिक्सर में पीस लें। साथ ही इसमें इलायची के बीज भी मिला दें। अब इसमें गुड़ मिलाएं। अब मिक्सर को चलाएं और बंद करें। ऐसा तब तक करें जब तक बादाम तेल न छोड़ दें। इस मिश्रण को प्लेट में निकाल लें।

कैसे बनाएं

हथेली पर थोड़ा से घी लगाएं और छोटे-छोटे हिस्सों को हाथ में लें और फिर लड्डू का आकार दें। इसी तरह सारे मिश्रण से बादाम के लड्डू बनाएं। लड्डू तैयार है।

ध्यान दें

- बादाम भूनते समय इसे चलाते रहें। बादाम को जलाना नहीं है।
- बादाम को माइक्रोवेव में भी भून सकते हैं।

जींस में दिखें ग्लैमरस और स्टाइलिश

आधुनिक युग में जींस एक बेहतरीन फैशन स्टाइल के रूप में उभरा है। जिसको लड़के और लड़कियों दोनों पसंद कर रहे हैं। दुनिया भर में आज बड़े पैमाने पर कई तरह के स्टाइलिश जींस को कैरी किया जाता है। आजकल ऐसे कई स्टाइलिश जींस बाजार में उपलब्ध हैं, जो लड़कों एवं लड़कियों को ध्यान में रखकर बनाए गए हैं। कहा जाता है कि फैशन के मामले में लड़कियों का कोई मुकाबला नहीं होता। उन्हें ये पता होता है कि उन पर कौन सा स्टाइलिश जींस शूट करेगा? यही एक बड़ी वजह है, जिसके चलते कई मौकों पर लड़कियां स्टाइलिश जींस कैरी करके आकर्षण का केंद्र बनी रहती हैं। वहीं दूसरी तरफ कई ऐसी लड़कियां भी होती हैं, जो इस दुविधा में फंसी रहती हैं कि हम क्या पहने? इसी कड़ी में आज हम आपको जींस पहनने के कुछ ऐसे तरीकों के बारे में बताने वाले हैं, जिन्हें अगर आप फॉलो करती हैं, तो आपका लुक काफी ग्लैमरस और स्टाइलिश दिखेगा। इन जींस को कैरी करने के बाद आप आकर्षण का केंद्र भी बनी रहेंगी।

डिस्ट्रेस्ड जींस

अक्सर कई लड़कियां खास मौकों पर रिप्ड जींस को कैरी करने का विकल्प चुनती हैं। हालांकि हर बाररिप्ड जींस कोपहनना आपके लुक में कमी ला सकता है। ऐसे में आपको डिस्ट्रेस्ड जींस का विकल्प चुनानाचाहिए। डिस्ट्रेस्ड जींस आपको एक ग्लैमरस लुक देने के साथ साथ सर्दियों के मौसम में ठंड से भी बचाने का काम करेगा।

फ्लेयर्ड जींस

फ्लेयर्ड जींस का चलन भी बीते कुछ सालों में काफी बढ़ा है। ये जींस खासकर उन लड़कियों के लिए काफी बढ़ियां है, जिनकी टांगे काफी पतली होती हैं। फ्लेयर्ड जींस को प्लेन टी शर्ट के साथ कैरी करने पर आपको एक स्टाइलिश लुक मिलेगा।

हाई वेस्ट जींस

अगर आप किसी पार्टी या खास जगह पर जा रही हैं, पर आप इस दुविधा में फंसी हैं कि क्या पहनें? तो ऐसे में आप हाई वेस्ट जींस को कैरी कर सकती हैं। खास मौकों पर हाई वेस्ट जींस को पहनने पर आपको एक आकर्षक लुक मिलेगा।

स्किनी जींस

बीते कुछ सालों में स्किनी जींस का चलन बढ़ा है। देश दुनिया में बड़े पैमाने पर इस जींस को कैरी किया जा रहा है। इसे आप लॉन्ग शर्ट के साथ कैरी कर सकती हैं। पार्टी या खास मौकों पर जाने के लिए इसको कैरी करना काफी अच्छा विकल्प है। ●

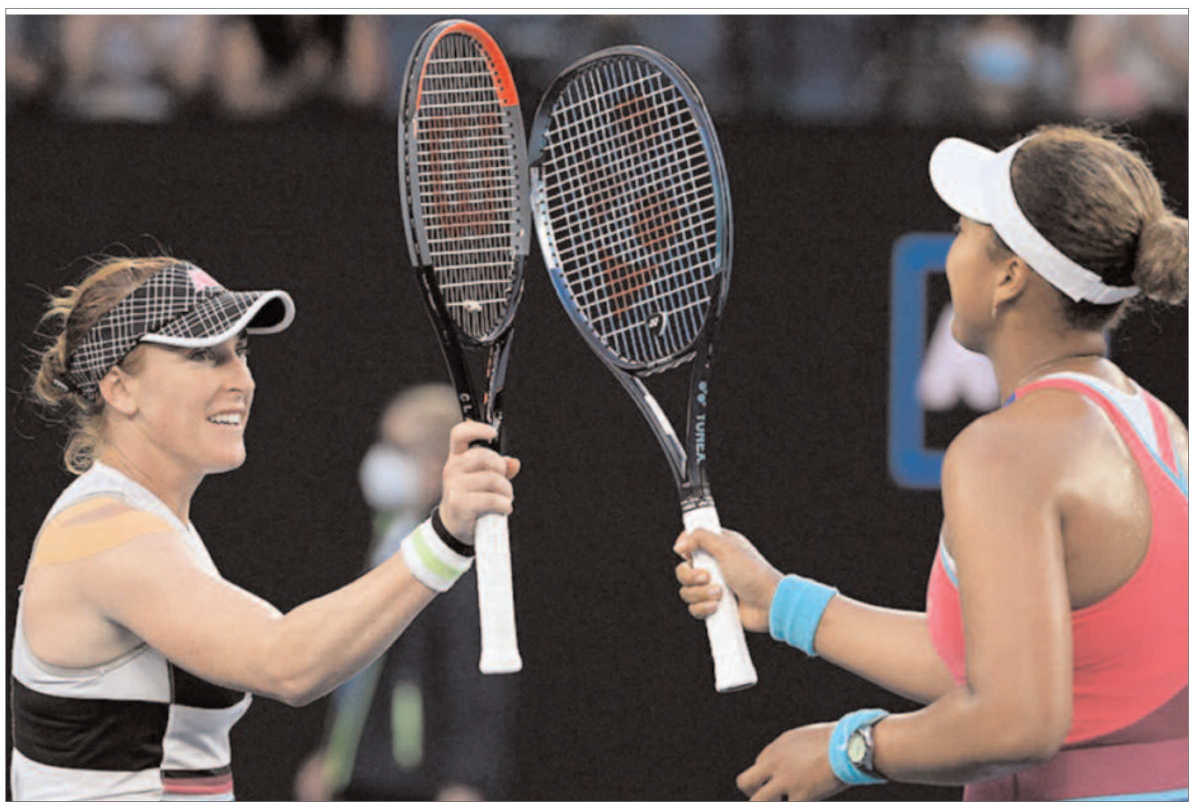

मेलबर्न, ऑस्ट्रेलिया में ऑस्ट्रेलियन ओपन टेनिस चैंपियनशिप में अपने दूसरे दौर के मैच के बाद जापान की नाओमी ओसाका को अमेरिका की मैडिसन ब्रेंगल ने बधाई दी।

एरिडाई के दमखम से ओडिशा एफसी ने नॉर्थईस्ट यूनाइटेड को पीटा

गोवा। एरिडाई कैब्रेरा सुआरेज के दमदार प्रदर्शन की मदद से ओडिशा एफसी ने मंगलवार रात फतौर्डा स्थित पंडित जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में खेले गए हीरो इंडियन प्रीमियर लीग (आईएसएल) 2021-22 के लीग मुकाबले में नॉर्थईस्ट यूनाइटेड को 2-0 से हरा दिया। स्पेनिश विंगर एरिडाई को मैच का दूसरा गोल करने और पहले में असिस्ट करने के लिए हीरो ऑफ द मैच से नवाजा गया।

इस जीत से ओडिशा अंक तालिका में नौवें से पांचवें स्थान पर पहुंच गई है। अंतरिम कोच किनो गार्सिया की टीम 11 मैचों में पांच जीत और एक ड्रा से 16 अंक अर्जित कर चुकी है। वहीं, आज की हार के कारण नॉर्थईस्ट यूनाइटेड दसवें स्थान पर बरकरार है। कोच खालिद जमील के हाईलैंडर्स 12 मैचों से मात्र नौ अंक ही जुटा सके हैं। उनके खाते में दो जीत और तीन ड्रा है। पिछली बार जब ये दोनों टीमें सीज़न के पहले भाग में भिड़ी थीं, तो उसमें भी ओडिशा भारी पड़ी थी। ओडिशा ने 1-0 से वो मुकाबला जीता था।

मैच का पहला गोल 17वें मिनट में हुआ, जब डैनियल लाललिम्पुआ ने एक आसान अवसर पर स्कोर करके ओडिशा एफसी को 1-0 की बढ़त दिला दी। इस गोल में एरिडाई कैब्रेरा की भूमिका अहम रही। स्पेनिश विंगर बाएं फ्लैंक से तेजी हमला बनाते हुए नॉर्थईस्ट के डिफेंडर प्रोवत लाकड़ा को छकाने के बाद गेंद लेकर बॉक्स के अंदर घुसा और एक बेहतरीन क्रॉस डाला। वहां मौजूद डैनियल बस गेंद को हल्के से सही दिशा दिखानी थी, जिस पर उन्होंने राइट फुटर लगाकर गोल कर डाला। 22वें मिनट में ओडिशा की बढ़त 2-0 हो गई। इस बार गोल स्पेनिश विंगर एरिडाई कैब्रेरा ने खुद किया। जेवियर हेर्नांडेज ने बॉक्स के बाहर खुद को तीन डिफेंडरों से घिरा पाने के बाद बायीं तरफ बॉक्स अंदर के एरिडाई के लिए गेंद चिप की और स्पेनिश विंगर ने दाहिने पैर से गेंद को नियंत्रित करने के बाद सेकेंड पोस्ट की तरफ राइट फुटर शॉट लगाकर गोलकर डाला। इस गोल में नॉर्थईस्ट के गोलकीपर मिरशाद मिचु की गलती की महत्वपूर्ण भूमिका रही। वह अपने बायीं तरफ डाइव लगाते रहे गए और गेंद उनके नीचे से लढ़क कर गोलपोस्ट के अंदर चली गई।

इसके बाद नॉर्थईस्ट यूनाइटेड ने वापसी का काफी प्रयास किया लेकिन वे ओडिशा के डिफेंस को भेद नहीं पाए और ओडिशा ने मैच 2-0 से अपने नाम किया।

भारत के ख़िलाफ़ वनडे सीरीज़ में नहीं खेलेंगे रबादा

पार्ल, 19 जनवरी (वेब वार्ता)। तेज गेंदबाज कैगिसो रबादा भारत के ख़िलाफ़ होने वाली वनडे सीरीज़ में दक्षिण अफ़्रीका के लिए नहीं खेलेंगे, क्योंकि क्रिकेट साउथ अफ़्रीका (सीएसए) उनके करियर को लेकर कार्य प्रबंधन करना चाहता है।

पार्ल में बुधवार से शुरू होने वाली वनडे सीरीज़ के पहले मैच से 24 घंटे से भी कम समय में मंगलवार को दिए गए बयान में सीएसए ने कहा कि कार्य प्रबंधन को संभालने की वजह से और न्यूज़ीलैंड के ख़िलाफ़ अगले महीने से शुरू होने वाली टेस्ट सीरीज़ की तैयारियों को लेकर उन्हें आराम का मौक़ा दिया गया है।

रबादा बायो बबल में पिछले साल सितंबर की शुरुआत से खेल रहे थे, वह तब दक्षिण अफ़्रीका के श्रीलंका दौरे पर तीन वनडे और तीन टी20 मैचों का हिस्सा थे। इसके बाद वह आईपीएल 2021 के दूसरे हाफ़ में यूएई में भी दिल्ली कैपिटल्स के लिए आठ मैच खेले थे। इसके बाद वह सीधा टी20 विश्व कप में खेले। इसके बाद डेढ़ महीने का ब्रेक मिला और उसके बाद दक्षिण अफ़्रीका ने भारत के ख़िलाफ़ टेस्ट सीरीज़ खेलनी शुरू की।

अब भारत के ख़िलाफ़ वनडे सीरीज़ 23 जनवरी को ख़त्म हो जाएगी और दक्षिण अफ़्रीका दो फरवरी को न्यूज़ीलैंड के लिए रवाना हो जाएगी, जहां टीम दस तारीख से से दो सप्ताह के बीच क्वारंटीन में रहेगी। न्यूज़ीलैंड के ख़िलाफ़ दो टेस्ट मैचों की सीरीज़ शुरू होगी और उसके बाद दक्षिण अफ़्रीका घर लौटकर बांग्लादेश के ख़िलाफ़ मार्च के मध्य में दो मैचों की टेस्ट सीरीज़ खेलेगी।

रबादा की अनुपस्थिति में मार्को यानसन के वनडे में डेब्यू करने की उम्मीद है, जिन्हें एक महीने से कम समय में ही उनकी टेस्ट कैप मिली थी। इसका मतलब है कि लुंगी एनगिदी भारत के खिलाफ गेंदबाज़ी आक्रमण की कमान संभालेंगे। इसके अलावा सिसंडा मगाला भी डेथ बॉलिंग में अपना दमखम दिखा पाएंगे।

दक्षिण अफ़्रीका के पास तेज़ गेंदबाज़ी हरफ़नमौला की भी कमी नहीं है। उनके पास पार्नेल, प्रिटोरियस और एंडिले फेहुक्वायो को चौथे तेज़ गेंदबाज़ी विकल्प के तौर पर इस्तेमाल किया जा सकता है।

चयनकर्ताओं ने हरफ़नमौला के तौर पर बायें हाथ के स्पिनर ज्यॉर्ज लिंडे को भी शामिल किया है। लिंडे भारत के ख़िलाफ़ टेस्ट सीरीज़ का भी हिस्सा थे और अब उन्हें वनडे टीम में भी लिया गया है।

सीएसए ने रबादा की जगह किसी भी खिलाड़ी को नहीं चुना है।

यादों के झरोखे से: भारत ने आज ही के दिन गाबा के मैदान पर खत्म की थी ऑस्ट्रेलिया की बादशाहत

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट प्रेमियों के लिए आज का दिन काफी यादगार है। पिछले साल आज ही के दिन अजिंक्या रहाणे के नेतृत्व में भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया को गाबा, ब्रिस्बेन में तीन विकेट से हराकर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2-1 से जीती थी। इस जीत के साथ ही भारत ने गाबा के मैदान पर 32 सालों से चली आ रही ऑस्ट्रेलिया की बादशाहत को खत्म कर दिया था। ऑस्ट्रेलिया ने गाबा में आखिरी टेस्ट मैच 1988 में वेस्टइंडीज के खिलाफ गंवाया था। इसके बाद से उसे इस मैदान पर कभी हार नहीं मिली थी।

इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने भारत ने सामने 328 रनों का लक्ष्य रखा था। भारत की तरफ से चौथी पारी में शुभमन गिल ने 91, चेतेश्वर पुजारा ने 56 रन और ऋषभ पंत ने नाबाद 89 रन बनाकर भारत को जीत दिलाई।

मेजबान ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 369 रन बनाए थे। जवाब में भारतीय टीम पहली पारी में 336 रन ही बना पाई। इसके बाद दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलियाई टीम 294 रनों पर सिमट गई।

लैंगर अनुबंध बढ़ाने के लिये क्रिकेट आस्ट्रेलिया से बातचीत को तैयार

सिडनी।

आस्ट्रेलिया को पहला टी20 विश्व कप दिलाने और एशेज श्रृंखला में 4-0 की शानदार जीत के बाद मुख्य कोच जस्टिन लैंगर अपना कार्यकाल बढ़ाने के लिये देश के क्रिकेट बोर्ड से बातचीत करने के लिये तैयार हैं।

लैंगर को 2018 में गेंद से छेड़छाड़ प्रकरण के बाद टीम की संस्कृति को बदलने और आस्ट्रेलियाई क्रिकेट प्रेमियों का सम्मान हासिल करने की कवायद के तहत मुख्य कोच नियुक्त किया गया था। उनका अनुबंध जून में समाप्त होने वाला है।

लैंगर ने बुधवार को 'एसईएन रेडियो' से कहा, ''मैं कभी (अपने भविष्य को लेकर) व्यग्र नहीं रहा। विश्व कप से पहले और एशेज से पहले हमें बेहतर तैयारियों का मौका नहीं मिला था। इसलिए यह कोई संयोग नहीं है।''

■ लैंगर ने बुधवार को 'एसईएन रेडियो' से कहा, ''मैं कभी (अपने भविष्य को लेकर) व्यग्र नहीं रहा। विश्व कप से पहले और एशेज से पहले हमें बेहतर तैयारियों का मौका नहीं मिला था। इसलिए यह कोई संयोग नहीं है।''

खिलाड़ियों ने लैंगर के कोचिंग के तरीकों की आलोचना की थी, लेकिन पिछले चार महीनों में उन्होंने आस्ट्रेलिया को पहला टी20 विश्व कप खिताब और इंग्लैंड के खिलाफ एशेज श्रृंखला में 4-0 से जीत दिलायी।

लैंगर ने कहा, ''हमारे दो मिशन थे विश्व कप जीतना और फिर एशेज जीतना। इतनी छोटी अवधि में यह हासिल करना बहुत बड़ा प्रयास है और हम इससे वास्तव में बहुत संतुष्ट हैं, बहुत खुश हैं। हमें वास्तव में इन उपलब्धियों पर गर्व है।''

कोच पद पर बने रहने के बारे में लैंगर ने कहा, ''हम सभी ने कहा था कि एशेज के बाद हम इस पर बात करेंगे। इसलिए मुझे उम्मीद है कि अगले कुछ दिनों में इस पर बातचीत शुरू हो जाएगी। इस पर बात करने के लिये बहुत कुछ है।''

आस्ट्रेलियाई दिग्गज रिकी पोंटिंग, स्टीव वॉ, शेन वार्न और एडम गिलक्रिस्ट ने लैंगर को कोच पद पर बनाये रखने का समर्थन किया है, जबकि उनके पूर्ववर्ती कोच डेरेन लीमन ने उनसे जीत के साथ पद छोड़ने के लिये कहा है। लीमन ने गेंद से छेड़छाड़ प्रकरण के बाद पद छोड़ दिया था।

नडाल आस्ट्रेलियाई ओपन के तीसरे दौर में

मेलबर्न । अपने रिकार्ड 21वें ग्रैंडस्लैम की कवायद में लगे राफेल नडाल ने बुधवार को यहां जर्मनी के क्वालीफायर यानिक हांफमैन को 6-2, 6-3, 6-4 से हराकर आस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के तीसरे दौर में प्रवेश किया।

छठी वरीयता प्राप्त नडाल शुरू से हावी हो गये। उनके पास तीसरे सेट के नौवें गेम में हांफमैन की सर्विस पर दो मैच प्वाइंट थे लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाये।

इसके बाद अगले गेम में भी अपनी सर्विस पर उनके पास दो मैच प्वाइंट थे। हांफमैन के फोरहैंड बाहर मार देने से नडाल से दो घंटे 42 मिनट तक चला यह मैच अपने नाम किया।

नडाल को ब्रेक प्वाइंट के 16 मौके मिले जिनमें से चार में उन्होंने अंक बनाये। दो बार उनके खिलाफ भी ब्रेक प्वाइंट के मौके आये जिन्हें उन्होंने बचा दिया।

पैंतीस वर्षीय नडाल तथा रोजर फेडरर और नोवाक जोकोविच के नाम पर पुरुष एकल में 20 खिताब का रिकार्ड है। फेडरर चोटिल होने जबकि जोकोविच निर्वासित किये जाने के कारण आस्ट्रेलियाई ओपन में नहीं खेल रहे हैं।

कप्तान प्रेस्ट के आलराउंड प्रदर्शन से इंग्लैंड की आसान जीत, दक्षिण अफ्रीका और अफगानिस्तान भी जीते

बासेटेरे (सेंट कीट्स)। कप्तान टॉम प्रेस्ट ने पहले 93 रन की लाजवाब पारी खेली और बाद में तीन विकेट लिये जिससे इंग्लैंड ने आईसीसी अंडर-19 विश्व कप के ग्रुप ए लीग मैच में कनाडा पर 106 रन की बड़ी जीत दर्ज की।

इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी के लिये आमंत्रित किये जाने पर निर्धारित 50 ओवरों में सात विकेट पर 320 रन बनाये। प्रेस्ट ने अपनी पारी में 93 गेंद का सामना किया और 10 चौके लगाये। उनके अलावा जार्ज बेल (57), जार्ज थामस (51) और विलियम लक्सटन (41) ने उपयोगी योगदान दिया।

इसके बाद बायें हाथ के तेज गेंदबाज जोशुआ बोडेन (44 रन देकर चार विकेट) तथा स्पिनर जैकब बाथेल (45 रन देकर तीन) और प्रेस्ट (38 रन देकर तीन) ने गेंदबाजी में कमाल दिखाया जिससे इंग्लैंड ने कनाडा को 48.1 ओवर में 214 रन पर समेट दिया। इंग्लैंड की यह टूर्नामेंट में दूसरी जीत है।

इस बीच दक्षिण अफ्रीका ने ग्रुप बी के मैच में युगांडा पर 121 रन से आसान जीत दर्ज की।

दक्षिण अफ्रीका पहले बल्लेबाजी करते हुए डेवाल्ड ब्रेविस के 104 रन की मदद से नौ विकेट पर 231 रन बनाये। इसके जवाब में युगांडा 33.4 ओवर में 110 रन बनाकर आउट हो गया। उसके केवल तीन बल्लेबाज दोहरे अंक में पहुंचे।

उधर ग्रुप सी में अफगानिस्तान ने पापुआ न्यूगिनी (पीएनजी) को 135 रन से करारी शिकस्त देकर जीत से अपने अभियान की शुरुआत की।

अफगानिस्तान की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 38.2 ओवर में 200 रन पर आउट हो गयी लेकिन उसने पीएनजी को केवल 20.5 ओवर में 65 रन पर ढेर कर दिया। अफगानिस्तान की तरफ से इजराहुल हक नावीद ने तीन जबकि नावीद जादरान, नांगयालाइ खान और नूर अहमद ने दो-दो विकेट लिये।

इससे पहले अफगानिस्तान की तरफ से कप्तान सुलेमान सफी (62), एजाज अहमद अहमदजई (45) और खैबर वली (30) ही कुछ योगदान दे पाये। पीएनजी के लिये केटेनालकी सिंगी ने चार और रासन केवाउ ने तीन विकेट लिये।

सिंधू सैयद मोदी इंटरनेशनल के दूसरे दौर में

लखनऊ। ओलंपिक में दो बार की पदक विजेता पी वी सिंधू ने बुधवार को यहां महिला एकल में हमवतन तान्या हेमंत पर आसान जीत दर्ज करके सैयद मोदी इंटरनेशनल सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बनायी।

पिछले सप्ताह इंडिया ओपन सुपर 500 के सेमीफाइनल में हारने वाली 26 वर्षीय सिंधू ने बाबू बनारसी दास इंडोर स्टेडियम में तान्या को एकतरफा मुकाबले में 21-9, 21-9 से हराया।

पूर्व विश्व चैंपियन सिंधू का अगला मुकाबला अमेरिका की लॉरेन लैम से होगा जिन्होंने ईरा शर्मा को संघर्षपूर्ण मैच में 15-21, 21-16, 21-16 से पराजित किया।

बोपन्ना और सानिया आस्ट्रेलियाई ओपन के पुरुष और महिला युगल से बाहर

मेलबर्न। भारत के रोहन बोपन्ना और सानिया मिर्जा बुधवार को यहां अपने पहले दौर के मैच गंवाने के कारण आस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस प्रतियोगिता में क्रमशः पुरुष और महिला युगल के पहले दौर से बाहर हो गये।

बोपन्ना और फ्रांस के उनके जोड़ीदार एडुआर्ड रोजर वेसलिन ने वाइल्ड कार्ड से प्रवेश पाने वाले क्रिस्टोफर रंगकाट और ट्रीट हुए के खिलाफ अच्छी शुरुआत की लेकिन इसके बाद उनकी लय गड़बड़ा गयी और आखिर में उन्हें पहले दौर के इस मैच में 6-3, 6-7(2), 2-6 से हार का सामना करना पड़ा। यह मैच एक घंटा 48 मिनट तक चला।

दूसरी तरफ सानिया और यूक्रेन की उनकी जोड़ीदार नादिया किचनोक

स्लावानिया की तमारा जिदानसेक और काजा जुवान की जोड़ी से एक घंटे 37 मिनट में 4-6, 6-7(5) से हार गयी।

किचनोक आज लय में नहीं थी और उन्होंने कई सहज गलतियां की।

बोपन्ना और सानिया अब मिश्रित युगल में अपना भाग्य आजमाएंगे। बोपन्ना ने क्रोएशिया की दारिया जुराक श्राइबर जबकि सानिया ने अमेरिका के राजीव राम के साथ जोड़ी बनायी है।

भारत के चार खिलाड़ियों ने एकल क्वालीफायर्स में हिस्सा लिया था लेकिन उनमें से कोई भी मुख्य ड्रा में जगह नहीं बना पाया।

बोपन्ना और वेसलिन के पास ब्रेक प्वाइंट का पहला मौका चौथे गेम में मिला जिसको वे भुनाने में सफल रहे। बोपन्ना ने इसके बाद नौवें गेम में अपनी सर्विस पर पहला सेट अपने नाम किया।

रंगकाट और हुए ने दूसरे सेट में शुरू से आक्रामक रुख दिखाया। उन्हें पहले गेम में ही दो बार ब्रेक प्वाइंट लेने का मौका मिला लेकिन वे इसका फायदा नहीं उठा पाये। इसके बाद दोनों जोड़ियों ने अपनी सर्विस बचाये रखी और आखिर में सेट टाइब्रेकर तक खिंच गया।

वाइल्ड कार्ड से प्रवेश पाने वाली जोड़ी ने टाईब्रेकर में लगातार छह अंक बनाकर मैच बराबर कर दिया। रंगकाट और हुए ने इसके बाद भी अपनी लय बरकरार रखकर आसानी से तीसरा सेट और मैच अपने नाम किया।

ऑस्ट्रेलिया के एश बार्टी ने ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न में ऑस्ट्रेलियन ओपन टेनिस चैंपियनशिप में अपने दूसरे दौर के मैच में इटली की लूसिया ब्रोंज़ेटी को हराने के बाद प्रतिक्रिया व्यक्त की। ऑस्ट्रेलियन ओपन ने अपना पहला प्रथम राष्ट्र दिवस मनाया जब बार्टी सामने और केंद्र में था।